नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानदंडों पर आधारित हिंदी पाठ्यपुस्तक

सरस्वती सरगम

हिंदी पाठमाला

2

लेखिकाएँ

गीता बुद्धिराजा
एम०ए०, बी०एड्०

डॉ० जयश्री अय्यंगार
एम०ए०, एम०फिल० (हिंदी)
(एन०सी०ई०आर०टी०, डी०एस०ई०आर०टी० द्वारा पुरस्कृत)

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

NEW SARASWATI HOUSE

Head Office : Second Floor, MGM Tower, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)
Registered Office : A-27, 2nd Floor, Mohan Co-operative Industrial Estate, New Delhi–110 044

Phone : +91-11-4355 6600
Fax : +91-11-4355 6688
E-mail : delhi@saraswatihouse.com
Website : www.saraswatihouse.com
CIN : U22110DL2013PTC262320
Import-Export Licence No. 0513086293

Branches:

• Ahmedabad: Ph. 079-2657 5018 • Bengaluru: Ph. 080-2675 6396
• Chennai: Ph. 044-2841 6531 • Dehradun: Ph. +91-98374 52852
• Guwahati: Ph. 0361-2457 198 • Hyderabad: Ph. 040-4261 5566 • Jaipur: Ph. 0141-4006 022
• Jalandhar: Ph. 0181-4642 600, 4643 600 • Kochi: Ph. 0484-4033 369 • Kolkata: Ph. 033-4004 2314
• Lucknow: Ph. 0522-4062 517 • Mumbai: Ph. 022-2876 9871, 2873 7090
• Nagpur: Ph. +91-70661 49006 • Patna: Ph. 0612-2275 403 • Ranchi: Ph. 0651-2244 654

Revised edition 2020

ISBN: 978-93-53621-51-3

The moral rights of the author has been asserted.

© New Saraswati House (India) Private Limited

Publisher's Warranty: The Publisher warrants the customer for a period of 1 year from the date of purchase of the Book against any Printing/Binding defect or theft/loss of the book.
Terms and Conditions apply: For further details, please visit our website www.saraswatihouse.com or call us at our Customer Care (toll free) No.: +91-1800 2701 460
Jurisdiction: All disputes with respect to this publication shall be subject to the jurisdiction of the Courts, Tribunals and Forums of New Delhi, India Only.

All rights reserved under the Copyright Act. No part of this publication may be reproduced, transcribed, transmitted, stored in a retrieval system or translated into any language or computer, in any form or by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopy or otherwise without the prior permission of the copyright owner. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Product Code: NSS2SRG020HINAB19CBY

This book is meant for educational and learning purposes. The author(s) of the book has/have taken all reasonable care to ensure that the contents of the book do not violate any copyright or other intellectual property rights of any person in any manner whatsoever. In the event the author(s) has/have been unable to track any source and if any copyright has been inadvertently infringed, please notify the publisher in writing for any corrective action.

PRINTED IN INDIA
By Vikas Publishing House Private Limited, Plot 20/4, Site-IV, Industrial Area Sahibabad, Ghaziabad–201 010 and published by New Saraswati House (India) Private Limited, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)

आमुख

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा से हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहरी तथा व्यावहारिक जीवन से जोड़ना चाहिए। इसी सिद्धांत को ध्यान में रखकर यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है। इस पुस्तक के माध्यम से स्कूल और घर की दूरी कम करने का प्रयास किया गया है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने तथा रटा देने की प्रवृत्ति का प्रबल विरोध किया गया है। आशा है कि यह कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चर्चित बाल-केंद्रित शिक्षा की दिशा में सफलता प्रदान करवाएगा।

इस उद्देश्य में तभी सफलता मिलेगी, जब सभी स्कूलों के प्राचार्य/प्राचार्या और अध्यापक/अध्यापिकाएँ बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों, रचनात्मक प्रश्नों, पाठ से संबंधित प्रश्नों की मदद से सीखने और अपने अनुभवों पर विचार प्रकट करने का अवसर देंगे। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यदि बच्चों को उचित अवसर, समय और स्वतंत्रता दी जाए तो वे अपने ज्ञान, सूझ-बूझ तथा कल्पना से ऊँची उड़ान भर सकते हैं। बच्चों के सामने यदि ज्ञान की सारी सामग्री परोस दी जाए तो वे अपनी क्षमता के अनुसार उसमें से बहुत अधिक ज्ञानवर्धक चीज़ें निकाल लेते हैं। यदि बच्चों को उपदेश दिया जाए तो उन्हें अच्छा नहीं लगता। जब वे कहानी तथा कविता पढ़ते हैं या सुनते हैं, तो नैतिक तथा मानवीय-मूल्य सहजता से स्वीकार कर लेते हैं।

- पुस्तक को तैयार करते समय पाठों का चुनाव बच्चों की बौद्धिक क्षमता तथा भाषा-स्तर को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
- पाठ के आरंभ में पाठ को स्पष्ट करने वाली भूमिका दी गई है।
- पाठों में दिए गए चित्र तथा अभ्यास बच्चों को आकर्षित करेंगे तथा वे कुछ-न-कुछ संदेश भी अवश्य ग्रहण करेंगे।
- सोचिए और बताइए यह प्रश्न बच्चों के सोचने, समझने और लिखने की क्षमता को बढ़ावा देता है।
- अभ्यास बनाते समय यह ध्यान रखा गया है कि बच्चे स्वयं सोचें तथा आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को प्रकट कर सकें।
- बच्चे जब अपने विचारों को प्रकट करेंगे तो उन्हें नए-नए शब्दों की जानकारी होगी तथा उनका शब्द-भंडार भी बढ़ेगा।
- बच्चे और खेल दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए पुस्तक के बीच-बीच में बच्चों को आकर्षित करने के लिए खेल तथा खेल से संबंधित गतिविधियाँ भी दी गई हैं।
- हमारी संस्कृति, कलाओं तथा लोक-कलाओं से भरपूर है। बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ने के लिए पुस्तक में उन्हें यथा स्थान दिया गया है।
- पुस्तक का निर्माण सी०बी०एस०ई० समेत विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्ड्स के पाठ्यक्रम को ध्यान रखते हुए किया गया है।
- पाठ्यक्रम को तैयार करते समय अहिंदी भाषी क्षेत्रों के छात्रों का विशेष ध्यान रखा गया है।

शिक्षाविदों एवं अभिभावकों के ऐसे सुझावों का हम स्वागत करेंगे, जिससे पुस्तक के आवश्यक संशोधन में सहायता ली जा सके।

–लेखिकाएँ

विषय-सूची

- वर्णमाला 6
- मेरी दिनचर्या (गतिविधि) 8
- पशु-पक्षी और उनकी बोलियाँ 10

1. अमात्रिक शब्द 11
2. 'आ' की मात्रा 20
   - मेरा विद्यालय (गतिविधि) 24
3. 'इ' और 'ई' की मात्रा 26
4. 'उ' और ऊ की मात्रा 31
5. 'ऋ' की मात्रा 36
   - हमें जानो (दर्शनीय स्थल) 38
6. 'ए' और 'ऐ' की मात्रा 39
   - मेले का मज़ा (गतिविधि).....44
7. 'ओ' और 'औ' की मात्रा 46
8. अनुस्वार, चंद्रबिंदु और विसर्ग 51
9. संयुक्त व्यंजन, संयुक्ताक्षर एवं द्वित्व व्यंजन 57
10. नुक्ता (ज़-फ़) आगत व्यंजन 62
11. 'र' का प्रयोग (रेफ़ और पदेन) 65
    - बारहखड़ी और अभ्यास 67
    - आओ दुहराएँ वर्णमाला 69
    - इन्हें भी जानिए (लिंग) 70
    - उलटे शब्द 71

- समान अर्थ वाले शब्द 72
- एक-अनेक.....73
- वाक्य 74

12. एक सीख 75
13. सूरज 80
14. हमारे प्रेरणा स्रोत 85
15. सब्ज़ीवाला 91
16. बरगद और हाथी 96
17. दीपावली 101
    - गिनती 107
    - यह भी जानिए (छः ऋतुएँ).....109
    - सप्ताह के सात दिन 110
    - वर्ष के बारह महीने 111
    - बूझो तो जानें 112
    - परियोजना पन्ना–1 (पत्र लेखन).....113
    - परियोजना पन्ना–2 (ध्वनियाँ).....114
    - हरकत-बरकत 115
    - सीखने के प्रतिफल 116

वर्णमाला

स्वर

अ
अ अनार

आ
आ आम

इ
इ इमली

ई
ई ईख

उ
उ उल्लू

ऊ
ऊ ऊन

ऋ
ऋ ऋषि

ए
ए एड़ी

ऐ
ऐ ऐनक

ओ
ओ ओखली

औ
औ औरत

अं 10
अं अंक

अः
अः प्रातः

व्यंजन

क क कबूतर	ख ख खरगोश	ग ग गमला	घ घ घड़ी	ङ ङ
च च चम्मच	छ छ छतरी	ज ज जग	झ झ झरना	ञ ञ
ट ट टमाटर	ठ ठ ठठेरा	ड ड डमरू	ढ ढ ढक्कन	ण ण
त त तरबूज़	थ थ थरमस	द द दवात	ध ध धनुष	न न नल
प प पंतग	फ फ फल	ब ब बकरी	भ भ भालू	म म मछली
य य यज्ञ	र र रथ	ल ल लड़की	व व वक	ज़
श श शलगम	ष ष षट्कोण	स स सड़क	ह ह हल	फ़
क्ष क्ष क्षत्रिय	त्र त्र त्रिशूल	ज्ञ ज्ञ ज्ञानी	श्र श्र श्रमिक	ऑ

अध्यापन संकेत

- बच्चों को वर्ण पहचानने में 'फ़्लैशकार्ड्स' बहुत उपयोगी होते हैं, इनका नियमित प्रयोग बच्चों के लिए शब्द निर्माण में सहायक होता है। ऊपर दी गई वर्णमाला की सहायता से स्वर और व्यंजन दुहरवाइए तथा लेखन अभ्यास करवाइए।

मेरी दिनचर्या

❖ अच्छा बच्चा कौन? जो काम करना चाहिए उस पर (✓) सही का निशान तथा जो काम नहीं करना चाहिए उस पर (✗) गलत का निशान लगाइए–

अध्यापन संकेत

- एक-एक चित्र को बच्चा देखे।
- सही और गलत का निशान लगाए।
- अच्छे कार्यों पर चर्चा करें।
- अच्छे गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित करें।

पशु-पक्षी और उनकी बोलियाँ

(चिंघाड़ना)

(बलबलाना)

(हिनहिनाना)

(दहाड़ना)

(रंभाना)

(भौं-भौं करना)

(म्याऊँ-म्याऊँ)

(कुकड़ूँ-कूँ)

(चीं-चीं)

(गुटर-गूँ)

(काँव-काँव)

(टाँय-टाँय)

1 अमात्रिक शब्द

दो वर्णों वाले शब्द

पढ़िए और समझिए–

घ + ट = घट

ट + ब = टब

र + थ = रथ

10

द + स = दस

फ + ल = फल

ख + त = खत

व + न = वन

ब + स = बस

घ + र = घर

अध्यापन संकेत

- बच्चों को समझाएँ कि दो वर्णों को जोड़कर शब्द बनाए जाते हैं। शुद्ध उच्चारण करवाया जाए। 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती। यह प्रत्येक वर्ण में ही मिला होता है। यह व्यंजन में लगकर उसे पूर्ण करता है; जैसे– क् + अ = क, ख् + अ = ख, म् + अ = ग, घ् + अ = घ आदि।

देखिए, पढ़िए और बोलिए–

कल	अब	मत	डर	वह	दस
फल	जब	खत	पर	रह	रस
नल	तब	छत	घर	कह	कस
जल	कब	नत	भर	तह	नस
तल	सब	गत	कर	यह	बस
हल	रब	लत	चर	सह	डस

अब घर चल। घर पर फल रख।

कल रथ पर चढ़। दस फल रख।

बस पर मत चढ़। नल पर घट रख।

अब मत लड़। डर मत सब कह।

रस रख कर चल। सब सच कह।

अभ्यास के लिए

1. वर्ण जोड़कर शब्द लिखिए–

न + र = ... घ + ट = ...

ज + ल = ... च + ख = ...

क + ब = ... ह + ठ = ...

ह + ल = ... न + स = ...

2. शब्दों को उनके चित्रों से रेखा खींचकर मिलाइए–

घट

धन

छत

टब

रथ

जग

तीन वर्णों वाले शब्द

पढ़िए और समझिए–

न + य + न = नयन

स + ड़ + क = सड़क

ब + त + ख = बतख

श + ह + द = शहद

म + ट + र = मटर

म + ह + ल = महल

न + ह + र = नहर

क + म + ल = कमल

न + म + क = नमक

अध्यापन संकेत

- बच्चों को समझाएँ कि तीन वर्णों को जोड़कर भी शब्द बनाए जाते हैं। शुद्ध उच्चारण करवाया जाए।

देखिए, पढ़िए और बोलिए–

महक	नहर	नमन	पकड़	भवन	गरम
पटक	लहर	चमन	झगड़	कमल	नरम
चटक	शहर	नयन	अकड़	अकल	चरम
लटक	झलक	कड़क	करण	सहन	महल
झटक	पलक	सड़क	चरण	बहन	पहल

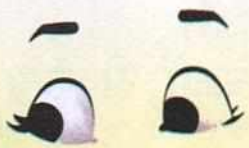

अमन कलम पकड़।

महक भवन तक चल।

इधर उधर मत टहल।

नरम नरम मटर चख।

समझ कर पढ़।

शहद चख कर रख।

अगर मगर मत कर।

झगड़ मत नमन कर।

अभ्यास के लिए

1. वर्ण जोड़कर शब्द लिखिए–

अ + क + ड़ = ... प + ह + ल = ...

प + ट + क = ... ख + ट + क = ...

स + ह + न = ... क + ड़ + क = ...

झ + ट + क = ... न + र + म = ...

2. शब्दों को उनके चित्रों से रेखा खींचकर मिलाइए–

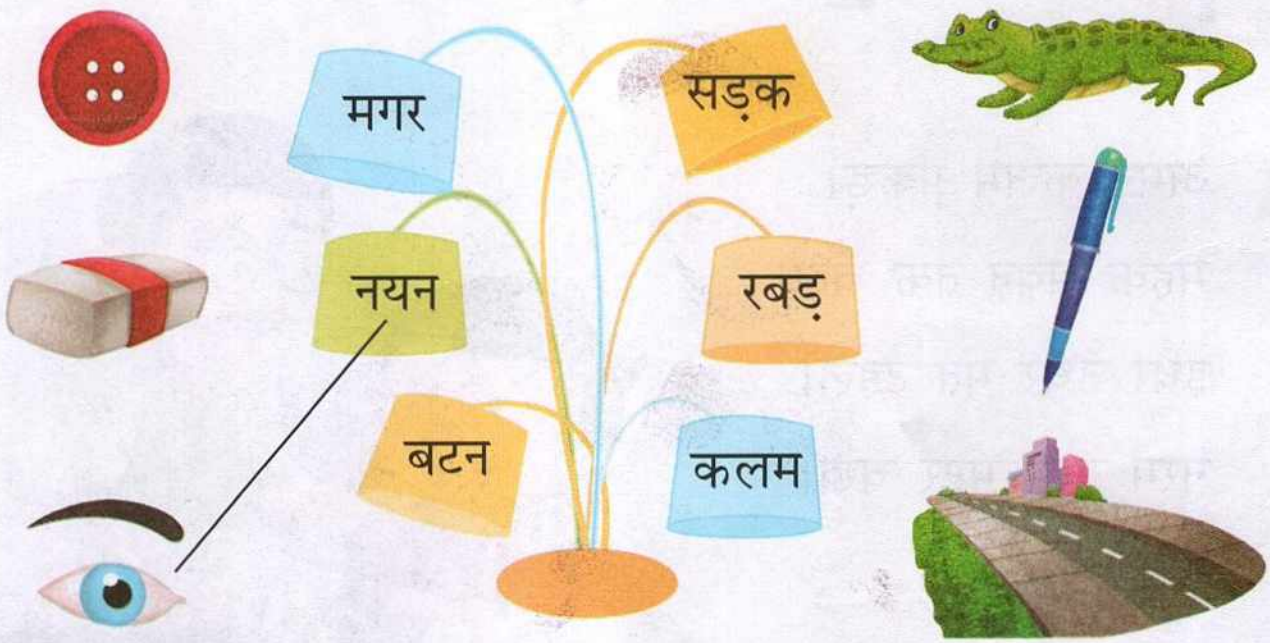

3. रिक्त स्थान भरिए–

ब.....ख नग..... प.....क

कम..... ल.....र चम.....

.....हर .....हद मह.....

चार वर्णों वाले शब्द

पढ़िए और समझिए–

अ + ज + ग + र =

अजगर

थ + र + म + स =

थरमस

क + ट + ह + ल =

कटहल

अ + च + क + न =

अचकन

श + र + ब + त =

शरबत

श + ल + ग + म =

शलगम

उ + प + व + न =

उपवन

ब + र + त + न =

बरतन

ब + र + ग + द =

बरगद

अध्यापन संकेत

- बच्चों को समझाएँ कि चार वर्णों को जोड़कर भी शब्द बनाए जाते हैं। शुद्ध उच्चारण करवाया जाए।

देखिए, पढ़िए और बोलिए–

धड़कन	नटखट	अरहर	शलगम	मलमल
उपवन	खटपट	हलधर	सरगम	खटमल
कतरन	सरपट	अकबर	शबनम	दमकल
उलझन	खटमल	अजगर	चमचम	हलचल
पचपन	झटपट	अनपढ़	टमटम	कटहल
बचपन	खटखट	गड़बड़	सरगम	अटकल

अनवर झटपट बरतन पकड़।

असलम अचकन पहन कर चल।

थरमस रख बरगद पर चढ़।

शबनम शरबत चख।

पनघट पर हलचल मत कर।

अभ्यास के लिए

1. वर्ण जोड़कर शब्द लिखिए–

उ + प + व + न = ...

च + म + च + म = ...

स + र + ग + म = ...

2. शब्दों को उनके चित्रों से रेखा खींचकर मिलाइए–

बरतन

अदरक

बरगद

शलगम

शरबत

थरमस

3. रिक्त स्थान भरिए–

ध.....क.....	सर.....	....पन
प.....घ.....	कस.....	....मल
उ.....झ.....	अद.....	....नम

2 'आ' की मात्रा

आ की मात्रा = ा

देखिए, पढ़िए और समझिए–

ख + ा + न + ा = खाना त + ा + ल + ा = ताला

क	च	ट	त	स	प	ल
का	चा	टा	ता	सा	पा	ला

जल	चर	तर	मथ	तल	छत	नल
जाला	चारा	तारा	माथा	ताला	छाता	नाला

अध्यापन संकेत

- आप जानते ही हैं कि व्यंजन में 'अ' स्वर व्यंजन को पूर्ण करता है और बाकी सारे स्वर व्यंजन के साथ लगकर मात्रा बन जाते हैं; जैसे–

ख् + आ	=	खा	ख् + इ	=	खि	ख् + ई	=	खी
ख् + उ	=	खु	ख् + ऊ	=	खू	ख् + ए	=	खे
ख् + ऐ	=	खै	ख् + ओ	=	खो	ख् + औ	=	खौ

छोटे बच्चे 'हलंत' या 'हल चिह्न' समझ नहीं सकते। जब बच्चा चौथी या पाँचवीं कक्षा में आता है, तो अध्यापक/अध्यापिका उसे समझा सकते हैं।

आस	नाम		माला	आया		अनार	आराम
पास	शाम		खाना	पाया		आदत	बादल
घास	काम		गाना	राजा		पालक	महान
मास	दाम		जाना	बाजा		चावल	मकान

लाल लाल गाजर खा। कमला गाना गा।

अमन गया। चावल लाया। राजा आराम कर।

छाता पकड़। पालक खा। शबनम माला पहन।

सपना ताला लगा। लता पाठशाला जा।

राजन बाजा बजा। टमाटर खा। बाल बना।

अभ्यास के लिए

1. पढ़िए और अंतर समझिए–

कम	काम	तल	ताला
बल	बाल	बज	बाजा
नल	नाल	मल	माला
कल	काल	कल	काला
मर	मार	नल	नाला
बज	बाज	छत	छाता

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

..... साफ़ कर।

मानव ..... खा।

चार ..... पका।

आठ ..... ला।

सरला ..... पहन।

नगमा ..... खा।

3. चित्रों को उनके नाम से मिलाइए–

टमाटर

ताला

नाव

कार

छाता

घड़ा

4. चित्र देखकर शब्द पूरे कीजिए–

आ

मा

म

बा

ल

ट

र

ला

कविता गुनगनाइए

मामा आया, मामा आया
लाल-लाल अनार लाया।

बच्चा आया भागा-भागा
लाल अनार खाकर भागा।

चाचा अनार खाकर जाना
अच्छा अनार खाकर पहचाना।

मेरा विद्यालय

इस चित्र के बारे में कक्षा में बच्चों से बातचीत करें– • यह स्कूल के किस समय का दृश्य है? • चित्र में कुल कितने बच्चे हैं? • उनमें कितने लड़के हैं और कितनी लड़कियाँ हैं? • बच्चे क्या-क्या कर रहे हैं?

3 'इ' और 'ई' की मात्रा

इ की मात्रा = ि

देखिए, पढ़िए और समझिए–

ि + ह + र + न = हिरन

ि + च + ि + ड़ + या = चिड़िया

स	र	ग	म	प	ध	न	स
सि	रि	गि	मि	पि	धि	नि	सि

गिन	किला		किरन		सितार	झिलमिल
लिख	मिला		किताब		मिठाई	साइकिल
सिर	गिला		किधर	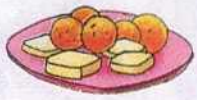	चिमटा	डाकिया
दिन	खिला		टिकट		सियार	रिमझिम

शनिवार का दिन था। रिमझिम बारिश आई।
अनिल सितार बजा। सानिया चिमटा इधर ला।
किरन टिकट उधर रख। डाकिया डाक लाया।
शिखा डाक इधर ला। डाक गिन। जवाब लिख।

ई की मात्रा = ी

देखिए, पढ़िए और समझिए–

च + ी + त + आ = चीता

ब + क + र + ी = बकरी

ख	र	ह	च	ध	न	ल	ग
खी	री	ही	ची	धी	नी	ली	गी

नीर	हीरा		लकड़ी		तीस	वीर
पीना	पनीर		घड़ी		धीर	गीता
शरीर	नीम		चीर		खीरा	बकरी
नदी	तीर		मीरा		खीर	ककड़ी

गीता कहानी पढ़ती थी।
दादी छड़ी लाई थी।
दीदी आई। दीदी आई।
लाल परी–सी सजकर आई।
नानी जी झील पर गई।
दवाई की शीशी रख।
मामी मीठी लीची लाई।

अभ्यास के लिए

1. सही शब्द पर घेरा ◯ लगाइए–

झाड़ी	–	झाड़ि	झाड़ी	झाडी
तितली	–	तितलि	तीतली	तितली
सीटी	–	सिटि	सीटी	सिटी
बकरी	–	बकरी	बकरि	वकरी
झिलमिल	–	झिलमील	झिलमिल	झीलमिल

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

अब ..... पकड़।

मीरा ..... बजा

नीता ..... भर।

..... दाना लाई।

नानी मीठी ..... लाई।

3. इन्हें भी पहचानिए और लिखिए–

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
दादी	दादा
नानी	.....
लड़की	.....
मामी	.....
चाची	.....

4. चित्र देखकर शब्द पूरे कीजिए–

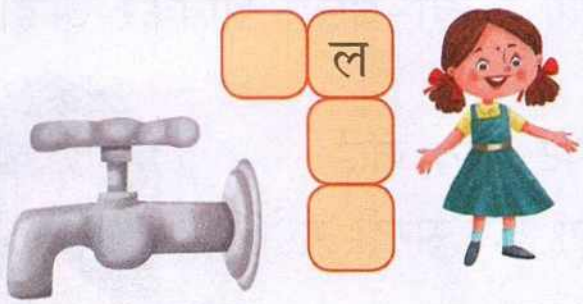

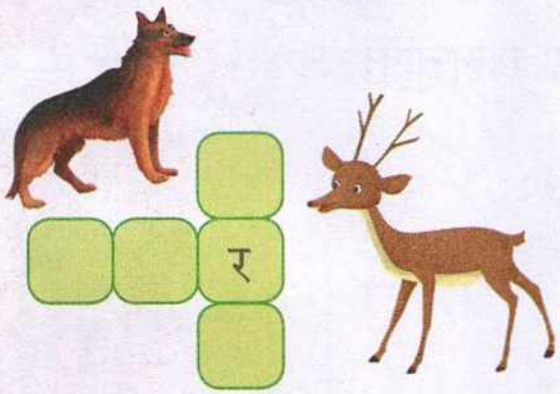

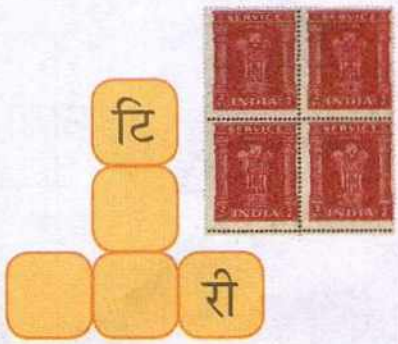

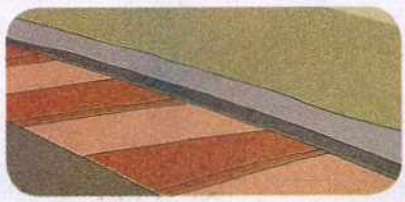

पढ़िए–

रविवार का दिन था
अनिल सितार बजा रहा था।

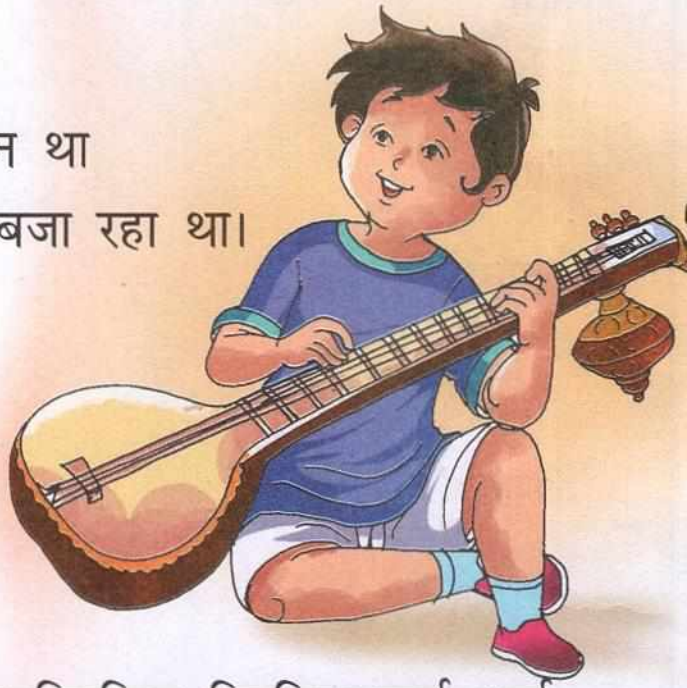

अचानक रिमझिम-रिमझिम वर्षा आई
सुनीता जल्दी-जल्दी भीगकर आई।

माता झटपट-झटपट चाय लाई
चाय पीकर सुनीता की सरदी गई।

मामी मीठी-मीठी लीची लाई
अनिल की नज़र ललचाई।

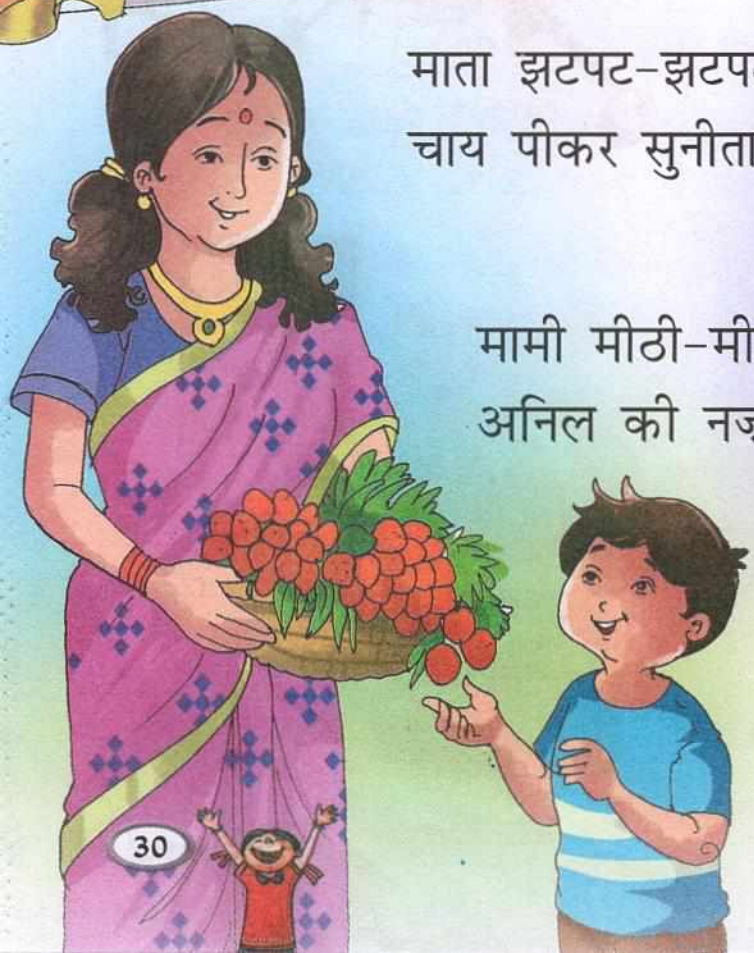

4 'उ' और 'ऊ' की मात्रा

उ की मात्रा = ु

देखिए, पढ़िए और समझिए–

ग + ु + ड़ि + या = गुड़िया ब + ु + ल + ब + ु + ल = बुलबुल

द	प	न	म	र	ल	व	ग
दु	पु	नु	मु	रु	लु	वु	गु

खुल	गुन	गुलाब	बुखार	गुमसुम
कुल	सुन	पुड़िया	पुजारी	रुनझुन
पुल	छुन	चुहिया	सुपारी	मुरगी
गुल	बुन	सुराही	घुटना	गुलाल

एक चुहिया थी। उसका नाम चुनमुन था।

चुहिया मुनिया की गुड़िया कुतर गई।

मुनिया बहुत गुमसुम थी।

कुसुम पुल पर गई। जामुन खाया।

ऊ की मात्रा = ू

देखिए, पढ़िए और समझिए–

झ + ू + ला = झूला

भा + ल + ू = भालू

म	प	र	ह	क	फ	ल	त
मू	पू	रू	हू	कू	फू	लू	तू

भूख	दूब		बूढ़ा		रुमाल	अमरूद
धूप	भूल		आलू		ज़रूर	खरबूजा
सूप	धूल		झूला		सूरज	शहतूत
रूप	फूल		जूता		कसूर	तरबूज़

पूजा खरबूजा लाई।

बूढ़ा माली तरबूज़ लाया।

चूहा जूता कुतर गया। भालू नाचा।

धूप चमकी। सूरज निकला।

नूतन का रुमाल उड़ गया।

अभ्यास के लिए

1. पढ़िए और अंतर समझिए–

कुल	कूल	चुन	चूना
पुल	पूल	छुप	छूना
झुल	झूल	धुन	धूल
सुर	सूर	टुकड़ा	टूटना

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

..... उड़ गई।

कुसुम ..... पर गई।

..... निकल आया।

राजू ..... झूल रहा था।

..... फल लाया।

रमन ..... उठा।

3. चित्र देखकर नाम पर गोला ◯ लगाइए–

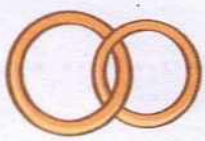

पूड़ी, चूड़ी, चूरी

गुलाब, गुलाल, बगुला

अमरूद, खजूर, तरबूज़

4. दिए गए शब्दों में सही जगह पर उ (ु) और ऊ (ू) की मात्रा लगाइए–

पजारी जता आल गड़ काज गलाल

5. देखिए, समझिए और बोलिए–

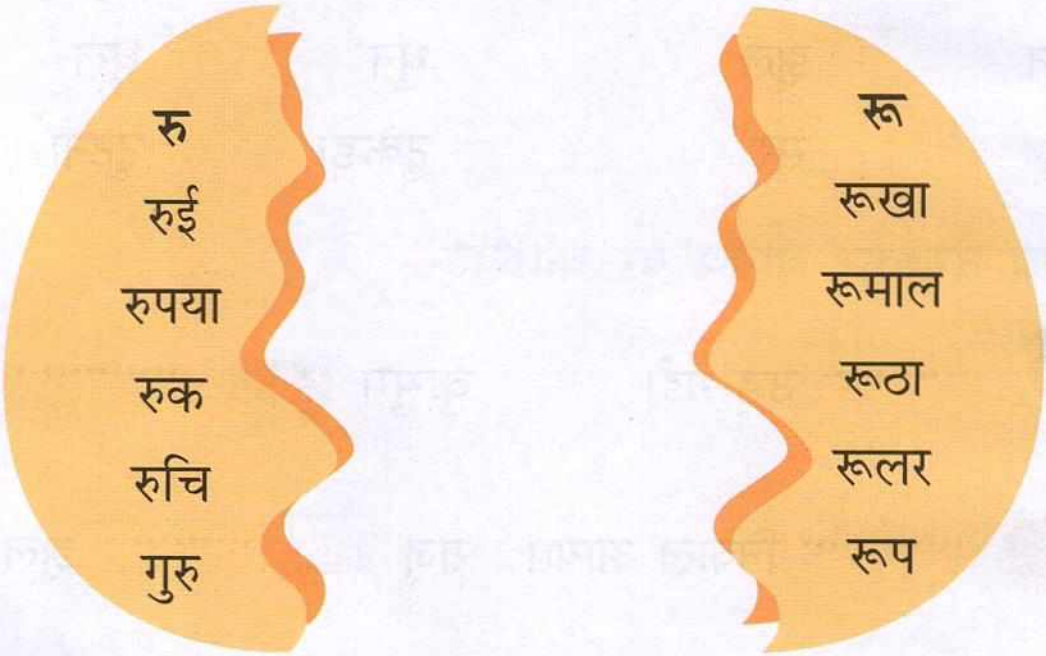

5. सार्थक शब्द बनाइए–

लमारू ..... लरूर .....

यापरु ..... चिरु .....

रुगु ..... णाकरु .....

अध्यापन संकेत

- बच्चों को बताएँ कि जब 'र्' में 'उ' की मात्रा ु या 'ऊ' की मात्रा ू लगाई जाती है, तब मात्रा 'र्' के नीचे न लगाकर उसके अंदर लगाई जाती है; जैसे–'रु' तथा 'रू'।

आइए, कविता गुनगुनाइए

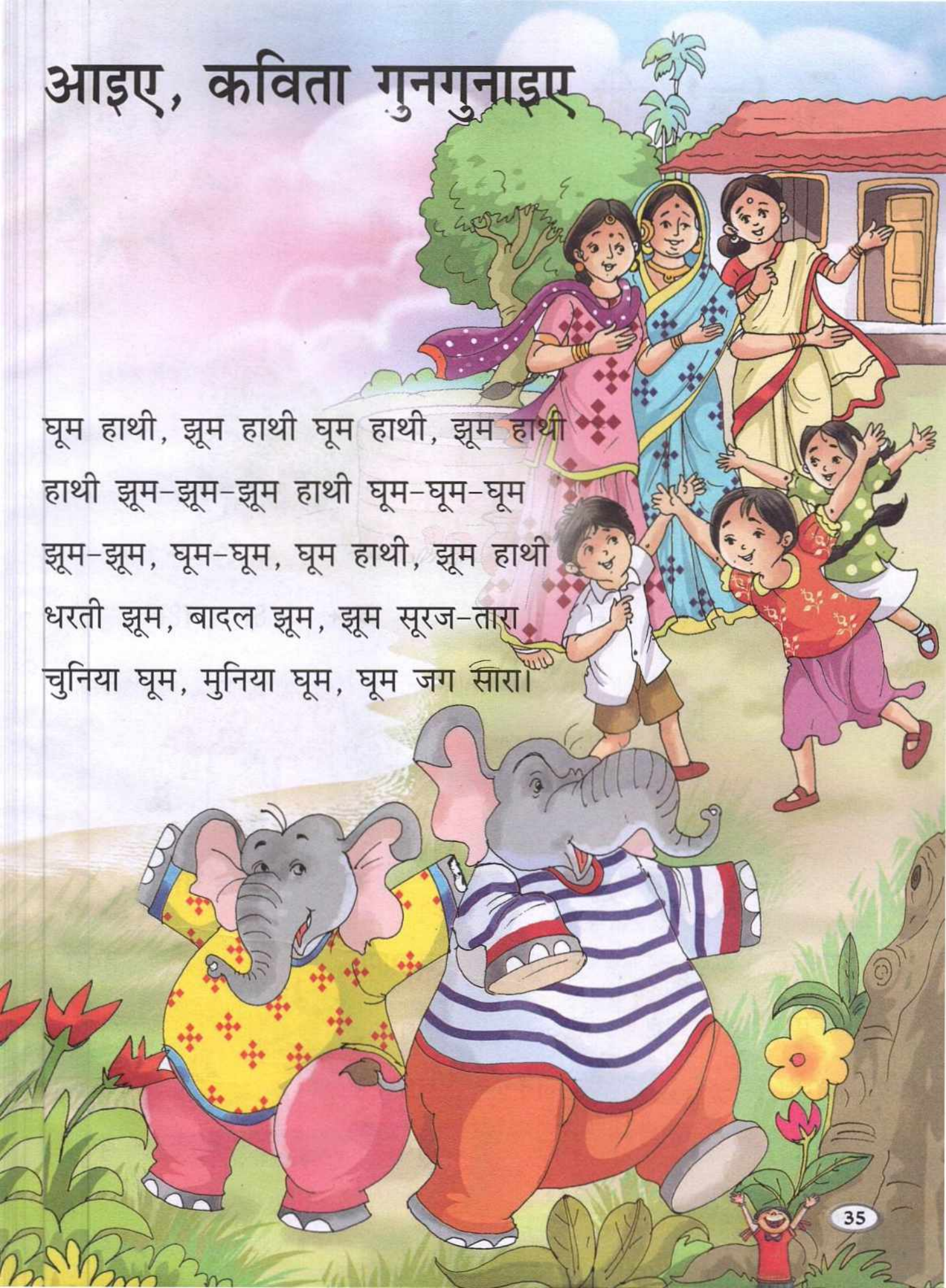

घूम हाथी, झूम हाथी घूम हाथी, झूम हाथी
हाथी झूम-झूम-झूम हाथी घूम-घूम-घूम
झूम-झूम, घूम-घूम, घूम हाथी, झूम हाथी
धरती झूम, बादल झूम, झूम सूरज-तारा
चुनिया घूम, मुनिया घूम, घूम जग सारा।

5 'ऋ' की मात्रा

ऋ की मात्रा = ृ

देखिए, पढ़िए और समझिए–

म + ृ + ग = मृग

व + ृ + क्ष = वृक्ष

न + ृ + प = नृप

ग + ृ + ह = गृह

पृथ्वी
कृषि
अमृत
मातृ

कृपा
दृढ़
सृजन
पितृ

कृपाण
घृत
वृषभ
मृग

हृदय
कृत
कृतज्ञ
मृदु

अभ्यास के लिए

1. वाक्यों में ऋ (ृ) की मात्रा को रेखांकित कीजिए–

(क) मुझ पर कृपा करो।

(ख) ऋषि पहाड़ पर बैठे हैं।

(ग) दूध अमृत है।

(घ) भारत कृषि प्रधान देश है।

(ङ) घृणा मत करो।

(च) हमारी मातृभाषा हिंदी है।

2. ऋ (ृ) की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए–

नत्य	गह	दढ़	कत	मग	मात
पित	सजन	पथ्वी	घंत	वक्ष	कपाण

3. एक जैसे शब्दों को जोड़कर लिखिए–

मातृ	कृषि	...घृत...	...कृत...
नृप	कृत	.....	.....
घृत	कृप	.....	.....
ऋषि	पितृ	.....	.....

हमें जानो

दर्शनीय स्थल

मीनाक्षी मंदिर (मदुरै)

नावों की दौड़–वेलमकली (केरल)

जंतर–मंतर (दिल्ली)

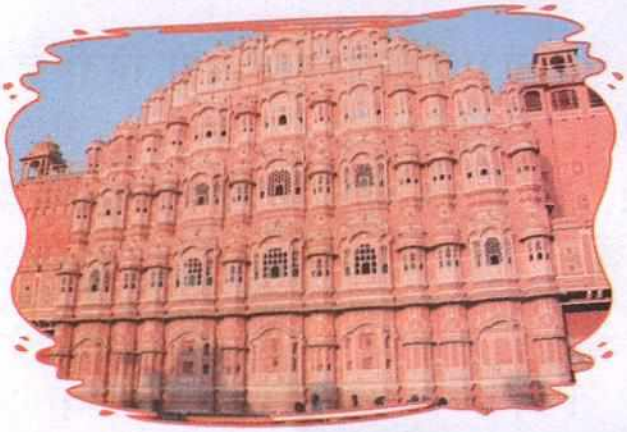

हवामहल (जयपुर)

वृंदावन गार्डन (मैसूर)

अजंता की गुफ़ाएँ (औरंगाबाद)

6 'ए' और 'ऐ' की मात्रा

ए की मात्रा = े

देखिए, पढ़िए और समझिए–

र + े + ल = रेल

प + े + ड़ = पेड़

न	ह	म	प	क	र	च	ज
ने	हे	मे	पे	के	रे	चे	जे

तेल	खेला		ठठेरा	पहेली	चेतावनी
जेल	रेखा		सवेरा	सहेली	मेहनत
सेब	केला		सपेरा	कपड़े	सपने
खेल	मेला		बसेरा	चमेली	शेरवानी

सुरेश खेत पर गया।
वह ढेर सारे बेर लाया।
मेरी सहेली रेल से गई।
सलमा महेश के साथ खेलने गई।
सबने सेब खाए। सब मेला घूमने गए।

ऐ की मात्रा = ै

देखिए, पढ़िए और समझिए–

म + ै + ना = मैना

प + ै + सा = पैसा

त	ध	प	ह	ल	घ	छ	भ
तै	धै	पै	है	लै	घै	छै	भै

कैसा	जैसा		पैदा		मैदा	बैठा
सैर	तैर		पैर		बैल	मैल
दैनिक	बैलगाड़ी		कैलाश		बैठक	सैनिक
थैला	कैदी		भैया		मैया	नैया

मैना पेड़ पर बैठी। पैसे से फल खरीदे।

भैया थैला रख गया। शैलजा हैरान है।

मैदान पर सैनिक खड़ा है।

नैना तैरती है।

कैलाश बैलगाड़ी से खेत पर गया।

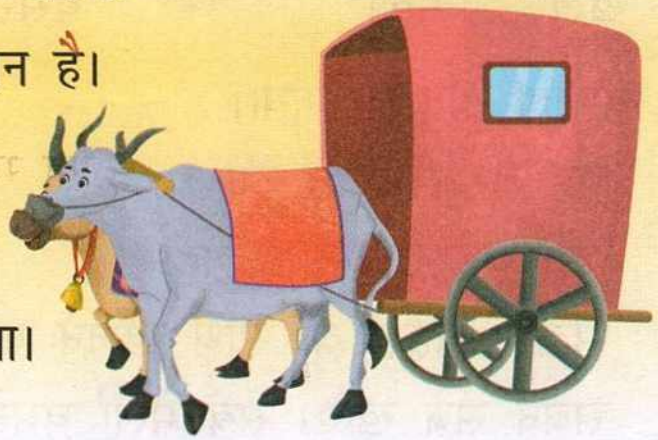

अभ्यास के लिए

1. पढ़िए और अंतर समझिए–

सेर	सैर	मेरी	मैरी
बेल	बैल	जेल	जैली
मेल	मैल	पेड़	पैर
बेर	बैर	केला	कैलाश

2. दिए गए शब्दों में सही जगह पर ए (े) और ऐ (ै) की मात्रा लगाइए–

खल पड़ पसा सहली मदान थला

3. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

..... पर चढ़।

..... गा रही थी।

यह कैलाश का ..... है।

..... से फल निकाल।

सुरेश ..... खा।

..... देश की रक्षा करता है।

4. सही शब्द के सामने (✓) और गलत शब्द के सामने (✗) का चिह्न लगाइए–

कैला		बेलगाड़ी	
बैठक		दैनीक	
तैर		शैरवानी	
खेत		मैदान	

आइए, कविता गुनगुनाइए

अप्पू-पप्पू बड़े नमूने,
ऐसी-वैसी बातें करते,
भरी दुपहर मस्ती करते,
अपने कपड़े मैले करते।

खीं-खीं करते, खैं-खैं करते,
ऐसी-वैसी हरकत करते,
पापा के स्कूटर पर बैठे,
दिन भर पीं-पीं, पों-पों करते।

अप्पू-पप्पू बड़े नमूने,
तू-तू, मैं-मैं हरदम करते,
बड़े प्यार से मिलकर रहते।

–शशि प्रकाश द्विवेदी

मेले का मज़ा

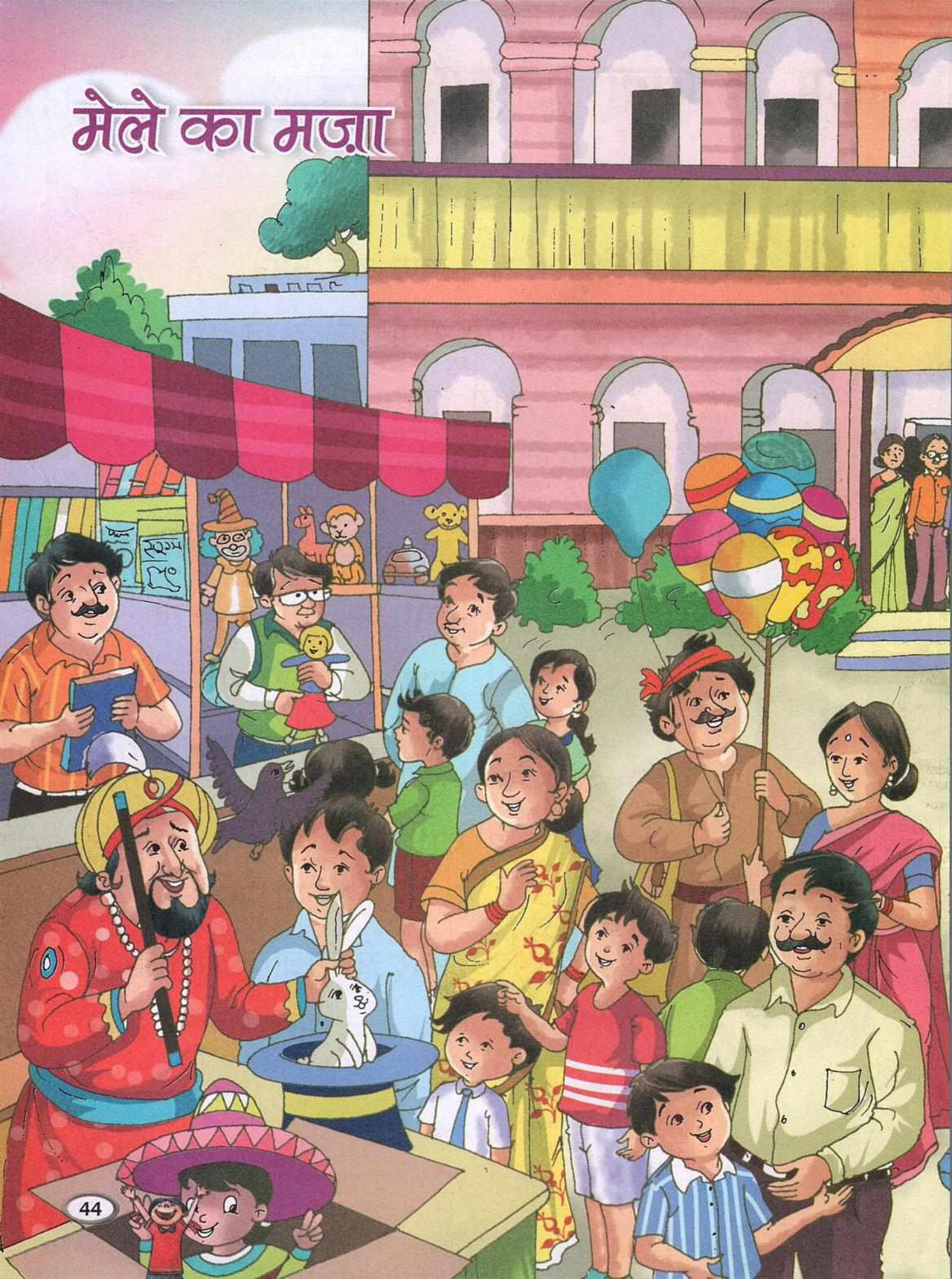

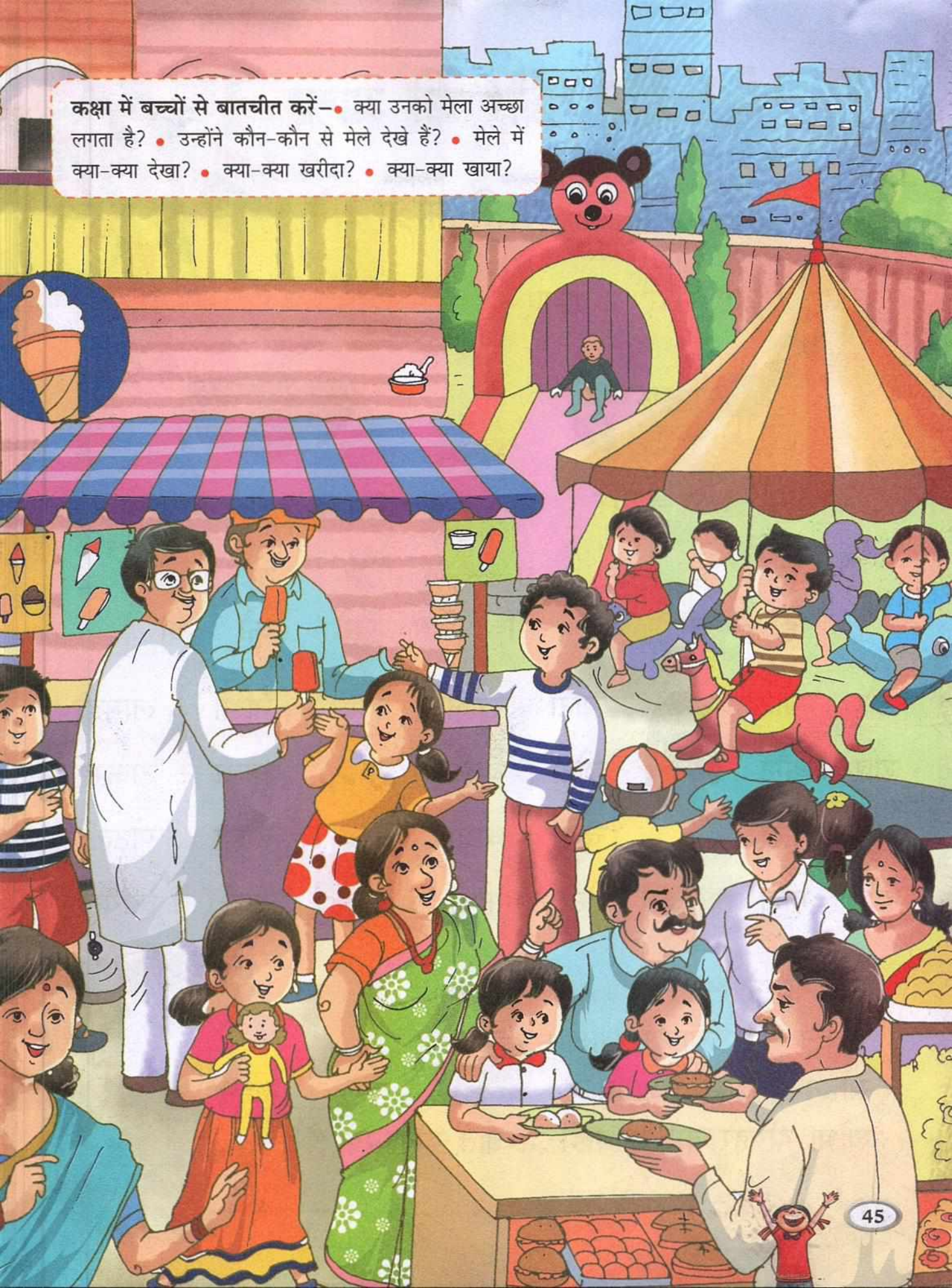

कक्षा में बच्चों से बातचीत करें– • क्या उनको मेला अच्छा लगता है? • उन्होंने कौन-कौन से मेले देखे हैं? • मेले में क्या-क्या देखा? • क्या-क्या खरीदा? • क्या-क्या खाया?

7 'ओ' और 'औ' की मात्रा

ओ की मात्रा = ो

देखिए, पढ़िए और समझिए–

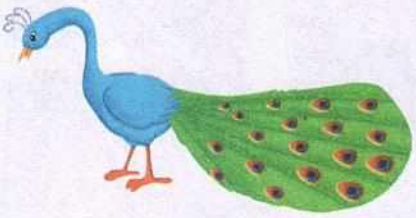

म + ो + र = मोर

ट + ो + क + री = टोकरी

ह	स	र	म	ख	त	क	ग
हो	सो	रो	मो	खो	तो	को	गो

डोर	खोट	लोटा	खोलो	गोली	लोमड़ी
शोर	कोट	छोटा	बोलो	घोड़ा	टोकरी
मोर	गोल	चोटी	धोबी	होली	पोटली
चोर	मोल	रोटी	गोभी	रोली	कोयल

मोर नाचने लगा।

भोजन को चबाकर खाओ।

सोहन ने ढोल बजाया।

शोभा दोपहर को सो गई। दो तोते बोल रहे थे।

औ की मात्रा = ौ

देखिए, पढ़िए और समझिए–

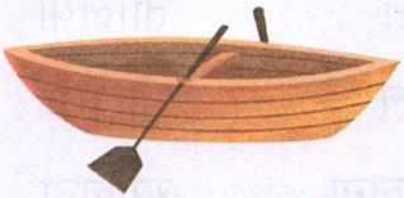

न + ौ + का = नौका

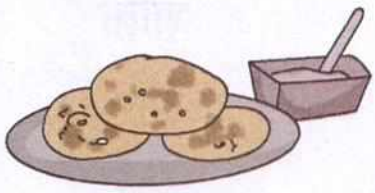

क + च + ौ + ड़ी = कचौड़ी

ल	ब	प	थ	द	स	च	श
लौ	बौ	पौ	थौ	दौ	सौ	चौ	शौ

पौधा

चौकी

कौड़ी

मौसी

मौसम

मौका

दौरा

चौका

खिलौना

नौकर

पकौड़ी

चौड़ाई

चौधरी

तौलिया

चौकीदार

मौलवी

मौसी आई, मौसी आई।
साथ में कचौड़ी लाई।
रौनक के लिए खिलौने लाई।
गौरी भी दौड़ी-दौड़ी आई।
रौनक, गौरी और मौसी ने कचौड़ी
और पकौड़ी खाई।

अभ्यास के लिए

1. पढ़िए और अंतर समझिए–

शोक	शौक	तोल	तौलिया
ओर	और	मोल	मौलवी
कोर	कौर	खोलना	खौलना
बोना	बौना	रोना	रौनक

2. चित्र देखकर शब्दों में ओ (ो) और औ (ौ) की मात्रा लगाइए–

ढ·····लक

न·····ट

त·····लिया

च·····की

घ·····ड़ा

ल·····टा

कट·····री

ल·····मड़ी

न·····कर

3. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

दो ..... ला।

..... नाच रहा है।

..... इधर रख।

..... शोर मचाने लगा।

गौरी ..... लाई।

..... पर मत चढ़।

4. चित्रों को पूरा करके रंग भरिए–

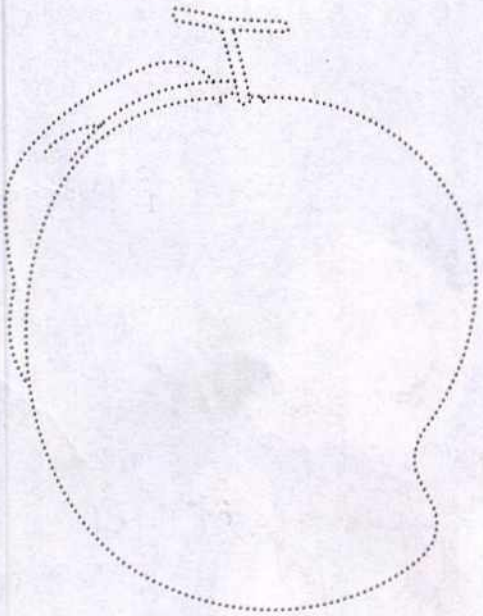

आइए, कविता गुनगुनाइए

वर्षा रानी, जल्दी आना
आज है मौसम बड़ा सुहाना
चले न कोई तुम्हारा बहाना
सुनाई देता चिड़िया का चहचहाना
मोर ने पंख फैलाकर नाचना शुरू किया
माता के हाथ के पकौड़े खाने का मन हुआ
सब भागे शोर मचाते
वर्षा रानी जल्दी आना।

8 अनुस्वार, चंद्रबिंदु और विसर्ग

अं = ं

देखिए, पढ़िए और समझिए–

घ + ं + टा = घंटा

प + त + ं + ग = पतंग

मं	घं	शं	डं	रं	सं	जं
मंद	घंटा	शंख	डंडा	रंग	संग	जंगल

संत	पंख	अंडा	संतरा	खंभा
दंग	कंठ	ठंडा	बंदर	लंगूर
तंग	अंग	चंपा	सुंदर	लंबा
वंश	हंस	गंगा	संसार	पतंग

गंगा मंदिर गई। मंदिर में शंख बजाया।
मंदिर में एक बंदर आया। डंडा ला। बंदर भगा।
संतूर बजा। संतरा खा। पतंग उड़ा।
कंचन सुंदर लड़की है।

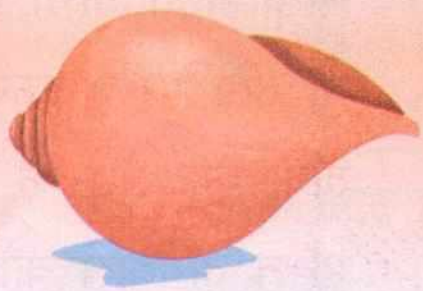

अँ = ँ (चंद्रबिंदु)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

ऊ + ँ + ट = ऊँट

अ + ँ + गू + ठी = अँगूठी

दाँ	साँ	पाँ	चाँ	बाँ	आँ
दाँत	साँप	पाँच	चाँद	बाँस	आँख

पाँव		कहाँ	कुआँ	आँवला
मूँछ		यहाँ	दाँया	आँगन
गाँव		जहाँ	सूँड़	बाँसुरी
पूँछ		वहाँ	बायाँ	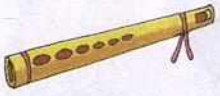 आँचल

गाँव में एक घोड़ा आया।
घोड़ा बहुत ऊँचा था।
माँ ताँगे पर बैठकर गाँव गई।
ताँगा एक पेड़ के पास रुका।
माँ ने ताँगेवाले को पाँच रुपये दिए।

अः = : (विसर्ग)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

छ + : = छः

न + म + : = नमः

अतः पुनः शनैः शनैः

अनवर छः बजे विद्यालय जाता है।

वह अपना पाठ पुनः पुनः याद करता है।

रोहित अपने माता-पिता को रोज़ नमः कहता है और पैर छूता है।

अभ्यास के लिए

1. पढ़िए और अंतर समझिए–

अंध	आँधी	हंस	हँसना	अंक	आँकना
संग	स्वाँग	अंत	आँत	अंग	आँगन
पंच	पाँच	तंग	ताँगा	अंचल	आँचल
चंद	चाँद	मंद	माँद	अंगूर	अँगूठी

2. चंद्रबिंदु (ँ) तथा विसर्ग (:) वाले शब्दों पर घेरा लगाइए–

अंगूर	पूँछ	मत	अत:
काक	अचल	गाँव	छ:
नम:	नमन	चाँद	आँख

3. दिए गए शब्दों में सही जगह पर अं (ं) और अँ (ँ) लगाइए–

डडा सत ऊट आख पाच जगल पतग चाद बूद

4. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

6 ..... का पहाड़ा याद कर। मोना ..... पर गई।

रमन ..... बजाता है। ..... फल तोड़ता है।

..... साफ़ कर। असलम ..... उड़ा रहा है।

5. बिंदु मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और उसमें रंग भरिए–

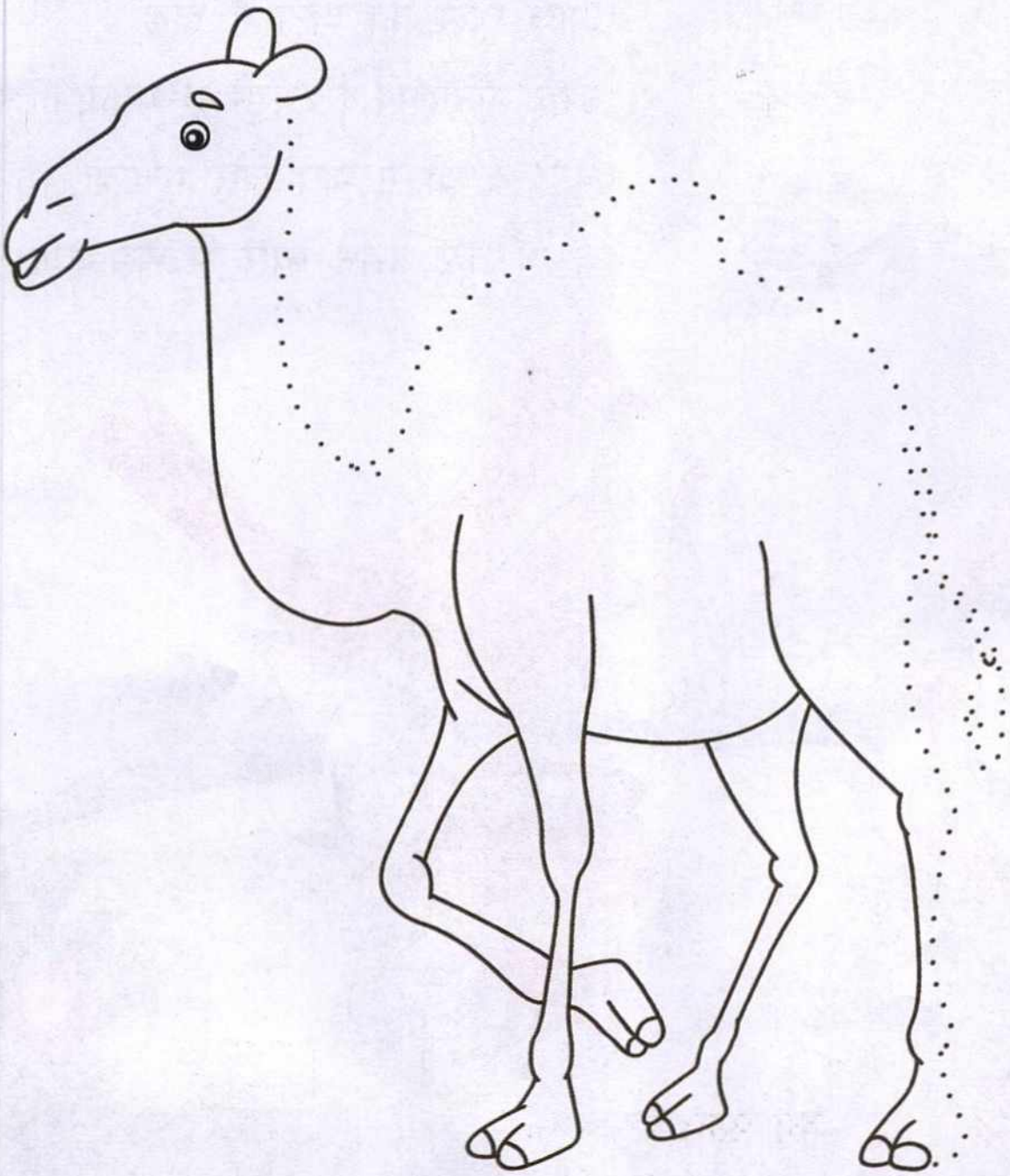

आइए, कविता गुनगुनाइए

चिड़िया चीं-चीं करती है,
सबके मन को हरती है।
आज दाल का दाना है लाई,
उसने पनपसंद खिचड़ी है पकाई।
भूखे बच्चों ने जब शोर मचाया,
चूँ-चूँ कर उसने प्यार से समझाया।

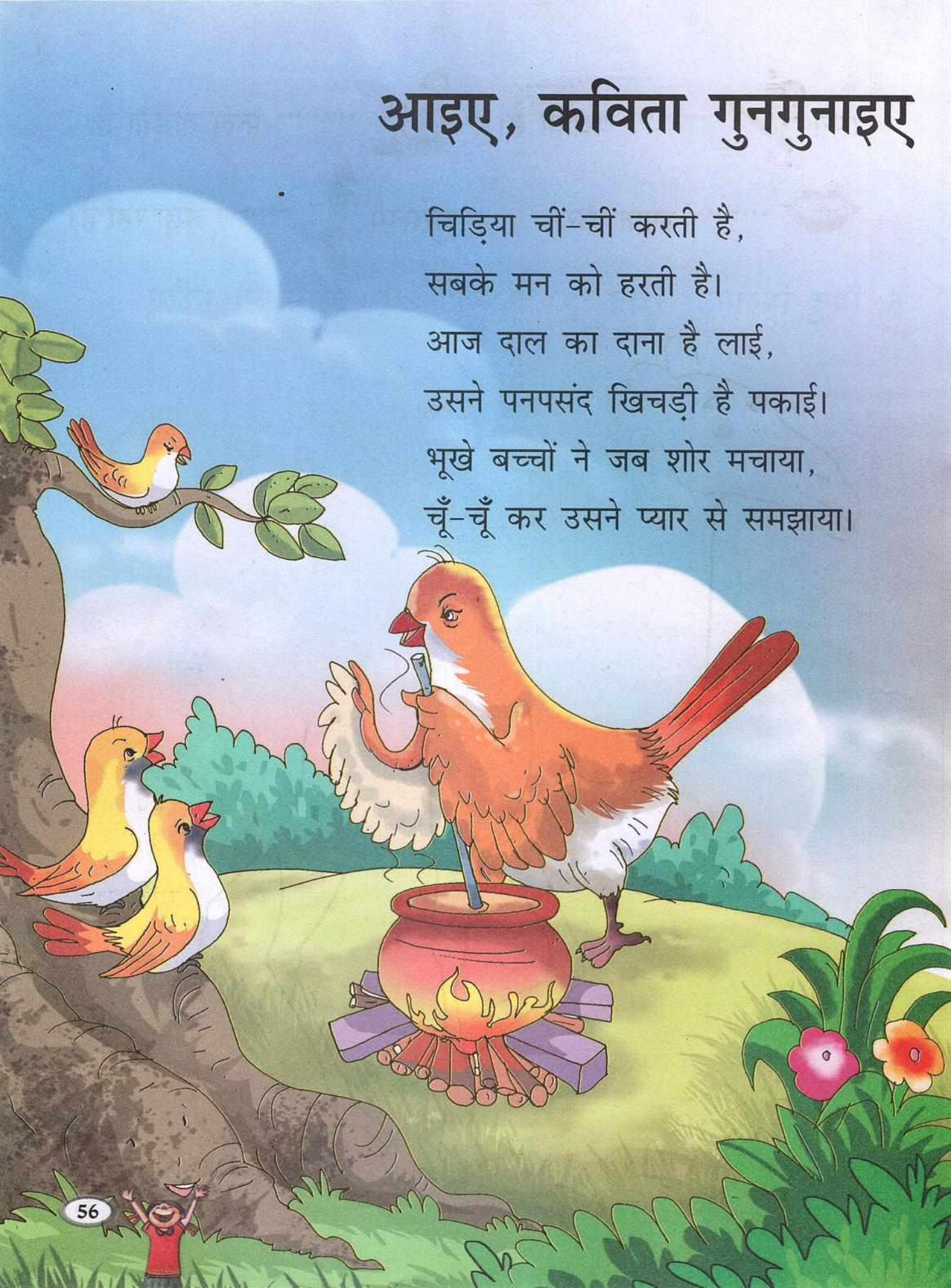

9 संयुक्त व्यंजन, संयुक्ताक्षर एवं द्वित्व व्यंजन

देखिए, पढ़िए और समझिए–

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र
क् + ष् + अ	त् + र् + अ	ज् + ञ् + अ	श् + र् + अ
रक्षा	पुत्र	आज्ञा	श्रीमान
शिक्षा	पत्र	यज्ञ	आश्रम
पक्षी	नेत्र	ज्ञानी	श्रम
दीक्षा	मित्र	संज्ञा	परिश्रम

मेरे घर में एक पक्षी है।
उसके नेत्र बहुत सुंदर हैं।
वह मेरी आज्ञा का पालन करता है।
वह हमारे साथ आश्रम जाता है।

अभ्यास के लिए

1. दिए गए वर्णों में से सही वर्ण चुनकर खाली स्थान पर भरिए–

क्ष त्र ज्ञ श्र

	प
पु	

	म
मि	
क	

	क	
र		क

	कृ
	त
य	

2. चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए–

 ....

 ....

3. संयुक्त अक्षरों से एक-एक शब्द बनाइए–

क्ष .... त्र ....

ज्ञ .... श्र ....

देखिए, पढ़िए और समझिए–

संयुक्ताक्षर

म + क + खी = मक्खी

प् (प) + य = प्य

प्यास, प्याज़, प्याला, प्यार।

च् (च) + छ = च्छ

अच्छा, गुच्छा, स्वच्छ, लच्छा।

द्वित्व व्यंजन

सि + क + का = सिक्का

क् (क) + क = क्क

सिक्का, पक्का, मुक्का, धक्का।

ट् (ट्) + ट = ट्ट

खट्टा, छुट्टी, मिट्टी, पट्टा।

मेरे पिता जी प्याले में चाय पीते हैं। चाय का स्वाद उन्हें अच्छा लगता है। छुट्टी के दिन मैं पिता जी के साथ आटा चक्की जाता हूँ। मैं बाज़ार से मिट्टी के खिलौने लाता हूँ।

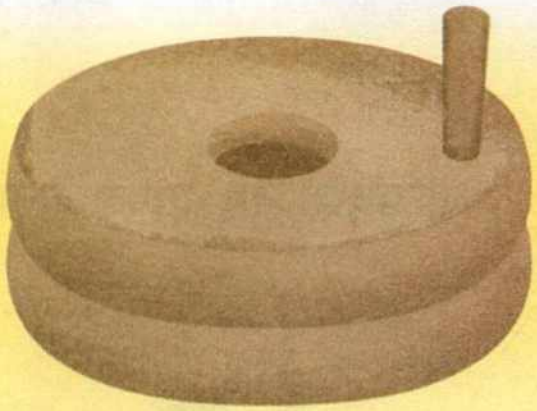

अभ्यास के लिए

1. चित्रों के नाम बोलिए और जो व्यंजन दो बार आया है, उसे लिखिए–

.....

.....

.....

2. जोड़कर नए शब्द बनाइए–

....

....

3. दिए गए संयुक्ताक्षर एवं द्वित्व व्यंजनों को अलग-अलग करके लिखिए–

पक्का छुट्टी लच्छा क्यारी बच्चा रास्ता

संयुक्ताक्षर	द्वित्व व्यंजन
.....	.....
.....	.....
.....	.....

अक्कड़-बक्कड़

द्वित्व व्यंजन

अक्कड़-बक्कड़, लोहा-लक्कड़,
उस पर बैठे फंटू-फक्कड़,
फंटू-फक्कड़, बड़े घुमक्कड़,
लाल बुझक्कड़ पूरे नंग,
फंटू-फक्कड़ उनसे तंग।

–कन्हैयालाल मत

10 नुक़्ता (ज़-फ़) आगत व्यंजन

देखिए, पढ़िए और लिखिए–

फ़्रेम **फ़िल्म** **मरीज़** **मज़दूर**

साफ़ माफ़ ज़रा सज़ा तेज़ मेज़

फ़ायदा फ़ैसला आवाज़ कागज़ ज़मीन जहाज़

साफ़	रज़ाई	जहाज़
नज़र	आवाज़	ज़िंदगी
तारीफ़	तोहफ़ा	मफ़लर

अध्यापन संकेत

- गृहीत/आगत व्यंजन पाँच हैं : क़, ख़, ग़, ज़, फ़। उर्दू से आए अरबी-फ़ारसी मूलक वे शब्द जो हिंदी के अंग बन चुके हैं और जिनकी विदेशी ध्वनियों का हिंदी ध्वनियों में रूपांतर हो चुका है, हिंदी रूप में ही स्वीकार किए जा सकते हैं। जैसे–कलम, किला, दाग आदि (क़लम, क़िला, दाग़ नहीं)। पर जहाँ उनका शुद्ध विदेशी रूप में प्रयोग अभीष्ट हो अथवा उच्चारणगत भेद बताना आवश्यक हो, वहाँ उनके हिंदी में प्रचलित रूपों में यथास्थान नुक़्ते लगाए जाएँ। जैसे:–खाना: ख़ाना, राज: राज़, फन: हाइफ़न आदि।

केंद्रीय हिंदी निदेशालय

ड़, ढ़, ऑ (ॉ)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

ड़ का प्रयोग	ढ़ का प्रयोग	ऑ का प्रयोग
सड़क	पढ़ना	बॉल
पापड़	चढ़ना	फ़्रॉक

पहाड़	पकड़	गुड़िया	पढ़ाई
बढ़ई	बढ़ना	कॉफ़ी	टॉफ़ी

सड़क पर चलती गुड़िया रानी
पढ़ती-लिखती बढ़ती रानी
सुंदर फ़्रॉक पहनती रानी
दिनभर हँसती रहती रानी।

लिखिए–

ड़	ढ़	ऑ
अगाड़ी	पढ़ाई	चॉकलेट

अभ्यास के लिए

1. उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए–

फीस	तूफान	फसल	फिल्म	रफ्तार
प्राइज	डिवीजन	सफेद	फायर	फर्ज
फर्क	फैसला	जुल्म	जरा	इज्जत

2. चित्रों के नाम लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. सही शब्द चुनकर लिखिए–

पहा·····	(ड़/ढ़)	प·····ना	(ड़/ढ़)
क·····क	(ड़/ढ़)	च·····ना	(ड़/ढ़)

11 'र' का प्रयोग (रेफ़ और पदेन)

रेफ़ = र् (ˆ)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

द + र् + प + ण = दर्पण

व + र् + षा = वर्षा

सर्प	खर्च	सूर्य	तर्क	कर्म
धर्म	नर्म	फर्क	आर्य	कार्य
पार्क	मार्ग	पर्व	कर्म	निर्मल

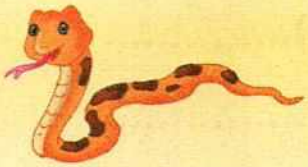

पदेन = र (्र , ॣ)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

च + क् + र = चक्र

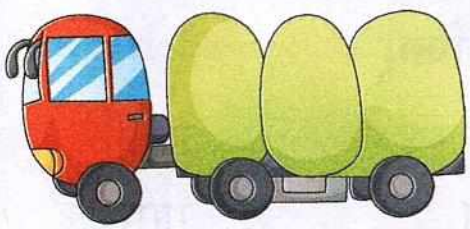

ट् + र + क = ट्रक

ग्राम सम्राट   प्रणाम   प्राण भ्रम

ड्रम ट्रक श्रम ड्रामा ट्राली

नोट

- 'र' जब व्यंजन रूप में होता है तो रेफ (र्‍) के रूप में प्रयोग होता है। जब 'र' स्वर सहित (र् + अ = र) के रूप में होता है, तो पदेन (्र , ्र) के रूप में प्रयोग होता है। 'ट्' और 'ड्' में (्र) रूप में तथा अन्य व्यंजनों में (्र) रूप में प्रयोग होता है।

अभ्यास के लिए

1. अक्षर मिलाकर शब्द बनाइए–

स + र् + प = ...

प् + र + णा + म = ...

ड् + र + म = ...

प + र + थ + म = ...

पा + र् + क = ...

ट् + रा + ली = ...

स + म् + रा + ट = ...

सू + र् + य = ...

2. दिए गए शब्दों में रेफ (र्‍) और पदेन (्र , ्र) का सही प्रयोग कीजिए–

दपण	टाली	नम	कम	बश
डम	गाम	पकाश	टक	बतन
आकमण	मदास	पवत	डामा	सप

बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः

प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः
श्र	श्रा	श्रि	श्री	श्रु	श्रू	श्रे	श्रै	श्रो	श्रौ	श्रं	श्रः

अध्यापन संकेत

- विद्यार्थियों को 'क' से 'श्र' तक हर वर्ण को सही उच्चारण के साथ बारहखड़ी के अनुरूप बोलने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करें। कुछ वर्णों के साथ 'ऋ' की मात्रा जोड़कर 'तेरह खड़ी' के रूप में बच्चों से बोलने और लिखने के लिए कहें।

आओ दुहराएँ वर्णमाला

स्वर

....

....

व्यंजन

....

....

....

....

....

....

....

....

इन्हें भी जानिए (लिंग)

लड़का

लड़की

मुरगा

मुरगी

गुड्डा

गुड़िया

शेर

शेरनी

दादा

दादी

चूहा

चुहिया

राजा

रानी

मोर

मोरनी

अध्यापन संकेत

- बच्चे इन्हें समझकर याद करेंगे।

उलटे अर्थ वाले शब्दों को जानिए–

रात

दिन

मोटा

पतला

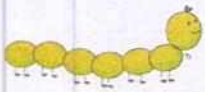

बड़ा

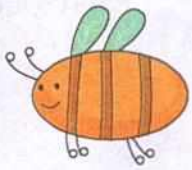

छोटा

ऊपर

नीचे

ठंडा

गरम

सरदी

गरमी

हँसना

रोना

सोना

जागना

धरती

आकाश

समान अर्थ वाले शब्द

चित्रों को ध्यान से देखिए और जानिए इन्हें क्या-क्या कहते हैं?

एक-अनेक

पत्ता

पत्ते

चूहा

चूहे

केला

केले

मुरगा

मुरगे

दरवाज़ा

दरवाज़े

पौधा

पौधे

जूता

जूते

तोता

तोते

छाता

छाते

मटका

मटके

गमला

गमले

तारा

तारे

वाक्य

आइए, वाक्य बनाना सीखें

दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए और वाक्य बनाइए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अध्यापन संकेत

- बच्चे को स्ववर्तनी में लेखन के लिए प्रोत्साहित करें।

12 एक सीख

मीना बहुत ही लापरवाह लड़की थी। वह सफ़ाई का ज़रा भी ध्यान नहीं रखती थी। कहीं भी कागज़ व फल खाकर छिलके फेंक देती थी।

उसकी माता जी ने उसे बहुत समझाने की कोशिश की, परंतु उसकी समझ में कुछ नहीं आता था। माता जी भी उससे बहुत परेशान थीं।

शब्दार्थ–**लापरवाह**–बेफ़िक्र (careless)

एक दिन मीना अपनी सहेली गीता के घर गई। उसकी सहेली बहुत ही समझदार व सफ़ाई पसंद थी। उसने मीना को खाने के लिए फल दिए। मीना ने संतरा खाकर छिलके व बीज नीचे ज़मीन पर फेंक दिए।

तभी उधर गीता की छोटी बहन लता आई। उसने वह छिलके व बीज उठाकर कूड़ेदान में डाल दिए। यह देखकर मीना बहुत लज्जित हुई। उसने अपनी आदतों को सुधारने का निश्चय किया। उसी दिन से वह भी सफ़ाई पसंद बन गई।

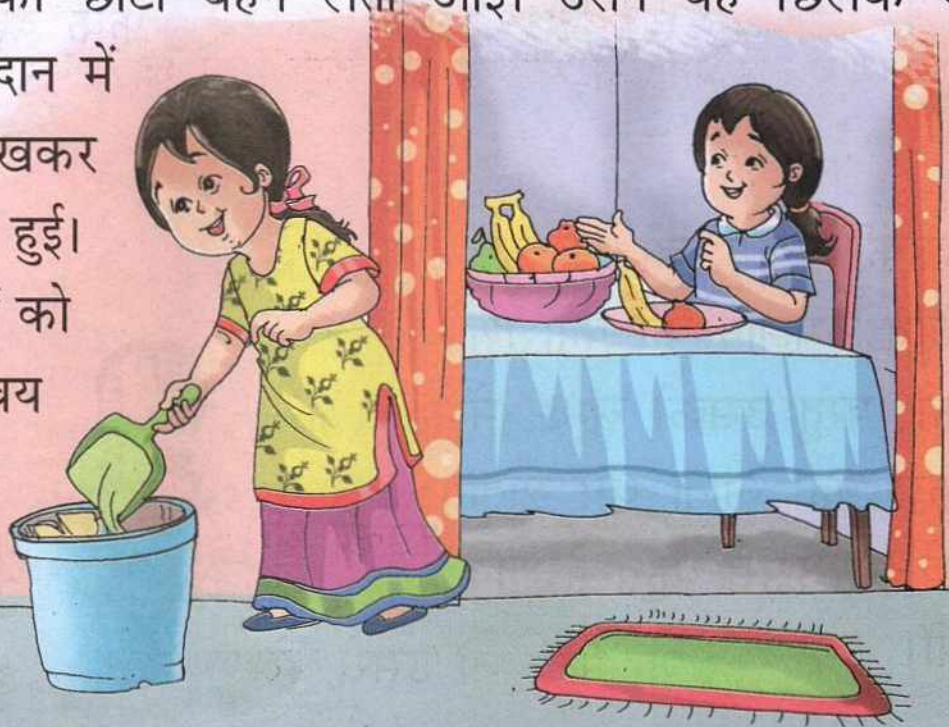

शब्दार्थ–**समझदार**–अक्लमंद (intelligent), **लज्जित**–शर्मिंदा (ashamed), **सफ़ाई**–स्वच्छता (cleanliness)

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

लापरवाह	सफ़ाई	छिलके	कोशिश
कूड़ेदान	लज्जित	निश्चय	

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर बताइए–

(क) मीना किसका ध्यान नहीं रखती थी?

(ख) मीना की आदत से कौन परेशान था?

(ग) मीना की सहेली का क्या नाम था?

लिखित

1. सही वाक्य के सामने सही (✓) का तथा गलत वाक्य के सामने गलत (✗) का निशान लगाइए–

(क) मीना लापरवाह लड़की थी।

(ख) उसकी माता जी उससे परेशान थीं।

(ग) मीना ने संतरे खाकर छिलके कूड़ेदान में फेंके।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मीना कैसी लड़की थी?

(ख) उसकी कौन-सी आदत बुरी थी?

(ग) मीना किसके घर गई?

(घ) लता ने नीचे फेंके गए छिलकों का क्या किया?

(ङ) मीना क्या देखकर लज्जित हुई?

भाषा ज्ञान

1. दिए गए शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए–

सफ़ाई – .....

समझदार – .....

नीचे – .....

परवाह – .....

छोटी – .....

ज़मीन – .....

2. दिए गए अशुद्ध-शुद्ध शब्दों को पढ़िए और समझिए–

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
आजाद	आज़ाद	धयान	ध्यान
परिक्षा	परीक्षा	सहैली	सहेली
दिवार	दीवार	लजित	लज्जित
एनक	ऐनक	निशचय	निश्चय

3. अशुद्ध शब्दों पर गोला ( ) लगाइए–

लापरवाह	बिमारी	कोसिश	सहेली	कूड़ेदान
सफ़ाई	छीलके	बहूत	वृक्षा	निश्चय

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- अच्छे बच्चे कैसे होते हैं? सोचिए और कक्षा में बात कीजिए।

क्रियाकलाप

- नीचे दिए गए फलों के चित्र पूरे करके रंग भरिए व उनके नाम लिखिए–

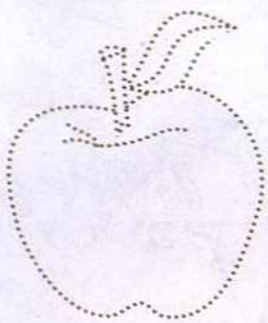

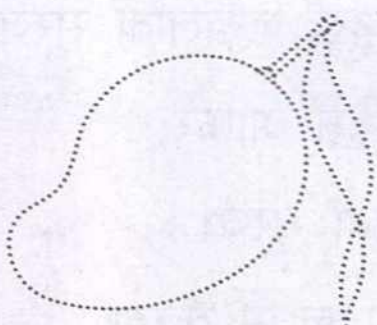

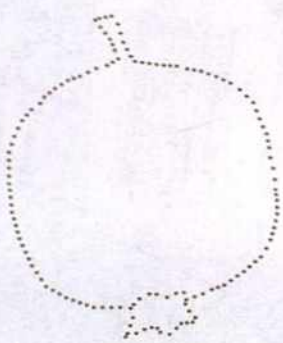

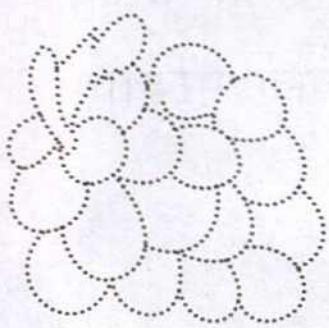

 ....

 ....

13 सूरज

आसमान से प्रातः आकर,
हमको नित्य जगाता सूरज।
कभी न यह पथ पर है रुकता,
आगे बढ़ता जाता सूरज।।

भीषण आग उगलता रहता,
जब गरमी में आता सूरज।
लू के गरम थपेड़े देता,
रहम न कुछ दिखलाता सूरज।।

वर्षा में चुपके-से आकर,
इंद्रधनुष है लाता सूरज।
लुका-छिपी बादल से करता,
रूप अनेक दिखाता सूरज।।

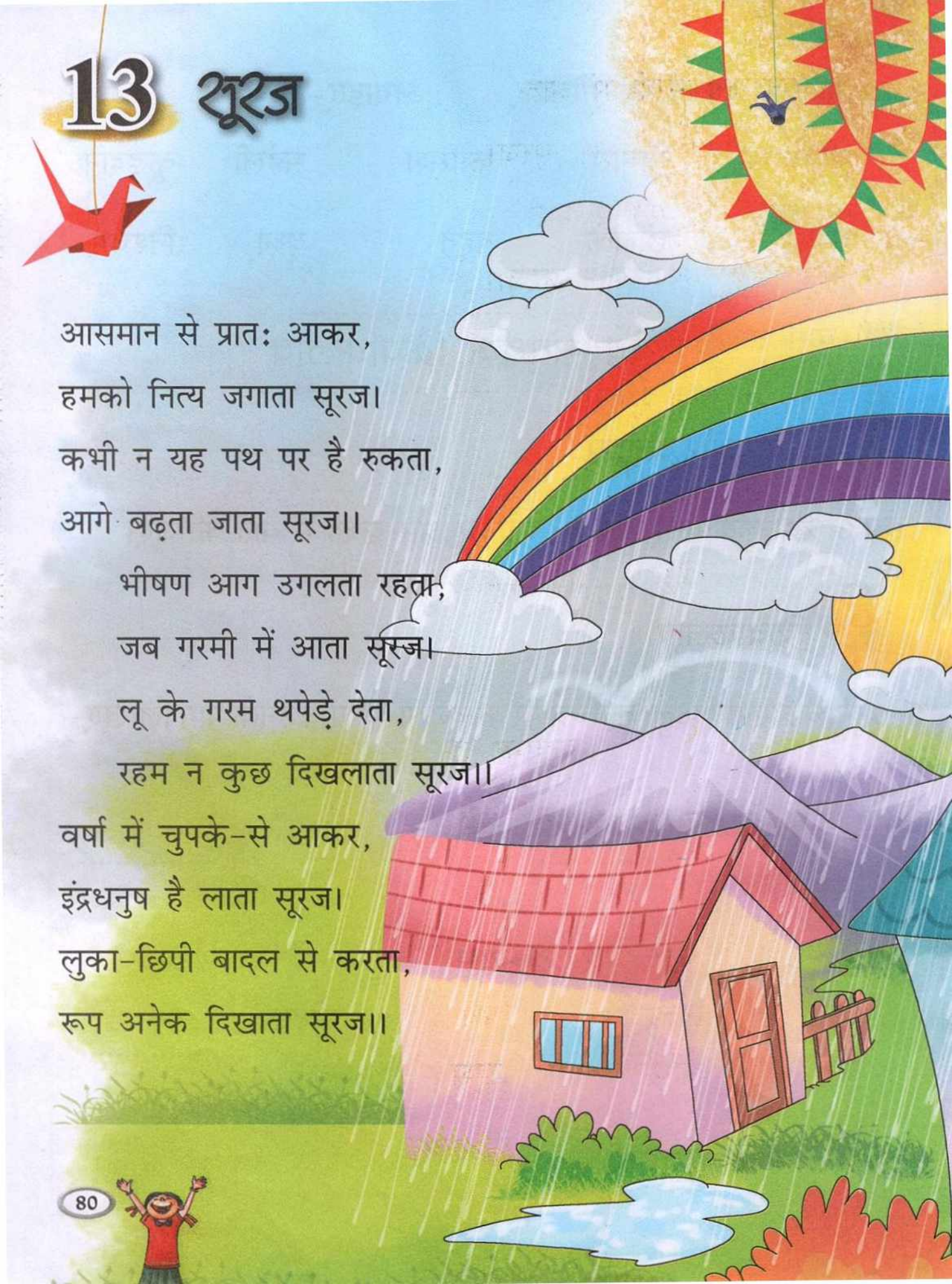

लेकिन जब सरदी में आता,
सबको खुश कर जाता सूरज।
पर होता दुख मन में भारी,
जब जल्दी छिप जाता सूरज।।

बारी-बारी से छः ऋतुएँ
इस धरती पर लाता सूरज।
सुख-दुख रहते साथ बराबर,
हरदम यही बताता सूरज।।

–प्रेम नारायण गौड़

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

प्रातः	नित्य	पथ	भीषण	थपेड़े
वर्षा	इंद्रधनुष	खुश	जल्दी	ऋतुएँ

2. कविता याद करके कक्षा में सुनाइए।

लिखित

1. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को पूरा कीजिए–

(क) आसमान से प्रातः आकर

हमको ..... ।

(ख) भीषण आग उगलता रहता,

..... सूरज।

(ग) वर्षा में चुपके-से आकर,

..... ।

(घ) ..... बराबर,

हरदम यही बताता सूरज।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कौन हमें रोज़ जगाता है?

(ख) सूरज भीषण आग कब उगलता है?

(ग) वर्षा में सूरज क्या लेकर आता है?

(घ) इस धरती पर बारी-बारी से कितनी ऋतुएँ आती हैं?

भाषा ज्ञान

1. सही मिलान कीजिए–

आता	रथ
पथ	हल्दी
देता	देख
जल्दी	लेता
सुख	जाता

2. छः ऋतुओं के नाम लिखिए–

....

....

3. दिए गए शब्दों के दो-दो समानार्थक शब्द लिखिए–

(क) आसमान – ....

(ख) सूरज – ....

(ग) खुश – ....

(घ) धरती – ....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- आपको कौन-सी ऋतु अच्छी लगती है?

क्रियाकलाप

- इनकी तरह बोलो तुम–

मुरगा बोला–'कुकड़ूँ-कूँ'

चिड़िया बोली–'चूँ-चूँ'

कौआ बोला–'काँव-काँव'

बतख बोली–'क्वैक-क्वैक'

14 हमारे प्रेरणा स्रोत

कर्नाटक पूरे भारतवर्ष में अपनी कला, संस्कृति और साहित्य के लिए प्रसिद्ध है। मीराबाई तथा सूरदास की तरह ही श्रीकृष्ण के भक्ति-पद गाने वालों में दक्षिण के कनकदास जी प्रसिद्ध हैं। कनकदास जी ने कई गीतों तथा कीर्तनों की रचना की है, जो दक्षिण में खूब प्रसिद्ध हैं।

कनकदास का जन्म धारवाड़ के पास बाड़ नामक ग्राम में हुआ। उनके पिता का नाम बीरप्पा गौडा था और माता का नाम बचम्मा था। इनके बचपन का नाम 'तिमप्पा' था।

एक बार तिमप्पा ज़मीन खोद रहे थे, तब उन्हें सोने के कुछ सिक्के मिले। उन्होंने उन सिक्कों से अपने ग्राम बाड़ का उद्धार किया। बाद में वे कागिनेले आए और वहाँ उन सिक्कों की मदद से उन्होंने 'आदिकेशव' का मंदिर बनवाया। इसी कारण उनका नाम 'कनकनायक' पड़ा।

शब्दार्थ–प्रसिद्ध–विख्यात (famous), **जन्म**–पैदा होना (birth), **ग्राम**–गाँव (village)

श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अपार श्रद्धा थी। श्रीकृष्ण के बाल रूप का वर्णन उन्होंने अपनी कविताओं में किया है। उनकी कविताओं को 'कीर्तन' के नाम से जाना जाता है। उनके गुरु का नाम व्यासराय था। कनकनायक नाम ही आगे चलकर 'कनकदास' हुआ। इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं–मोहन तरंगिणी, नल चरित, रामधान्य चरित, हरिभक्तिसागर आदि। कनकदास जी ने करीब चार सौ से भी ज़्यादा कीर्तनों की रचना की। कनकदास जी कन्नड़ साहित्य सागर के चमकते सितारे हैं।

शब्दार्थ–**कृतियाँ**–रचनाएँ (literary work)

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

कर्नाटक संस्कृति साहित्य श्रीकृष्ण ग्राम मंदिर

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर बताइए–

(क) कर्नाटक किसलिए प्रसिद्ध है?

(ख) कनकदास के बचपन का नाम क्या था?

(ग) उन्होंने अपनी कविताओं में किनका वर्णन किया?

लिखित

1. सही उत्तर चुनकर लिखिए–

(क) कनकनायक आगे चलकर ..... बने।

(*i*) कनकनाम (*ii*) कनकसंत

(*iii*) कनक कवि (*iv*) कनकदास

(ख) कनकदास ने ..... का वर्णन किया है।

(*i*) राम (*ii*) हनुमान

(*iii*) लक्ष्मी (*iv*) बाल कृष्ण

(ग) कनकदास ..... के संत कवियों में एक हैं।

(*i*) तमिलनाडु (*ii*) आंध्र

(*iii*) कर्नाटक (*iv*) महाराष्ट्र

(घ) कनकदास जी ने करीब ..... से भी ज़्यादा कीर्तनों की रचना की है।

(*i*) तीन सौ (*ii*) चार सौ

(*iii*) छः सौ (*iv*) एक सौ

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) कर्नाटक पूरे भारत वर्ष में अपनी ....., ... और ..... के लिए प्रसिद्ध है।

(ख) कनकदास के गाए गीतों को ..... कहा जाता है।

(ग) कनकदास के गुरु का नाम ..... था।

(घ) कनकदास जी कन्नड़ साहित्य सागर के चमकते ..... हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) कनकदास का जन्म कहाँ हुआ?

(ख) कनकदास के माता-पिता का नाम क्या था?

(ग) ज़मीन खोदते समय कनकदास को क्या मिला?

(घ) कनकदास ने किनका मंदिर बनवाया?

(ङ) कनकदास के गुरु का नाम क्या था?

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

(क) वचन परिवर्तन (एकवचन-बहुवचन)

सोना	–	सोने	कविता	–	कविताओं
सिक्का	–	सिक्के	कृति	–	कृतियाँ
गीत	–	गीतों	रचना	–	रचनाएँ
कीर्तन	–	कीर्तनों	किताब	–	किताबें

(ख) पाठ में आए नाम वाले शब्द–

कर्नाटक	बाड़
मीराबाई	तिमप्पा
सूरदास	कनकदास
कनकदास	आदिकेशव

2. पाठ में से चुनकर रेफ़ (–ˊ) और पदेन (ˏ) वाले शब्द लिखिए–

(ˊ) – ....

....

(ˏ) – ....

....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. यदि आपको विद्यालय में कहीं पड़ा हुआ कोई पेन मिलता है, तो आप क्या करेंगे? बताइए।
2. अच्छे बच्चे कैसे होते हैं? सोचिए और कक्षा में बात कीजिए।

क्रियाकलाप

- रंग भरिए–

राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा)

तिरंगे के तीन रंग

केसरिया

सफ़ेद

हरा

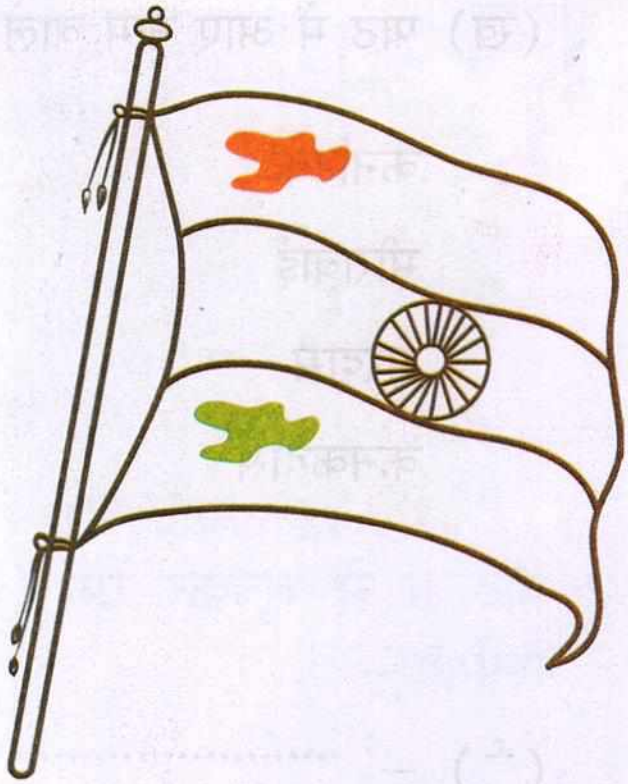

राष्ट्रीय पक्षी (मोर)

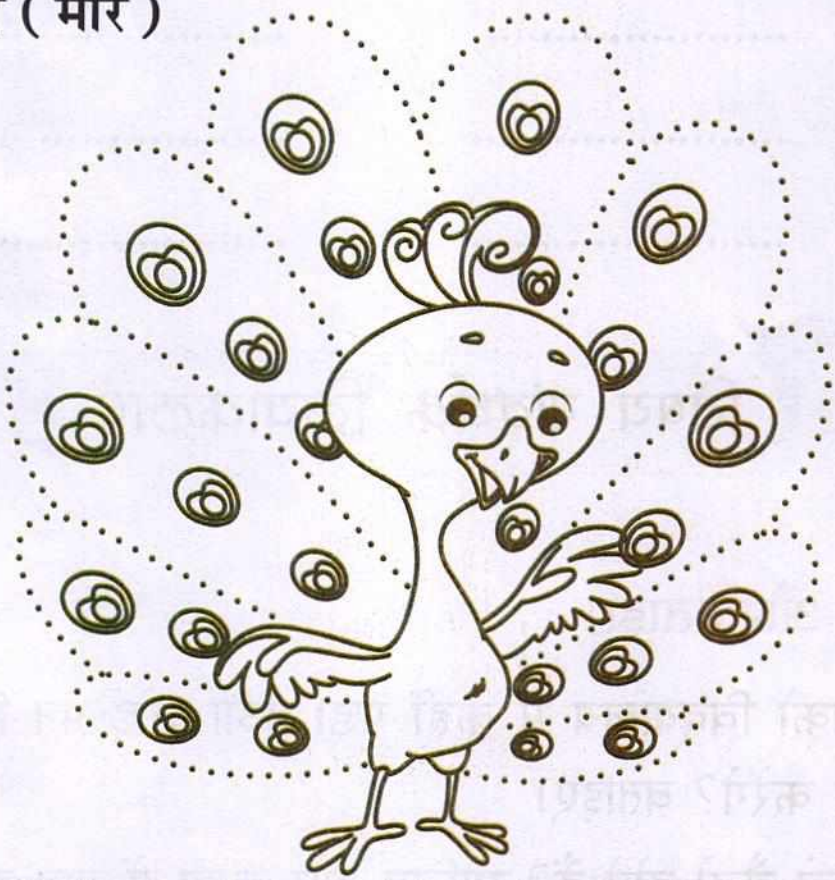

- राष्ट्रीय ध्वज के रंगों की चर्चा करके रंग भरने के लिए कहें। राष्ट्रीय पक्षी की भी पहचान कराएँ।

15 सब्ज़ीवाला

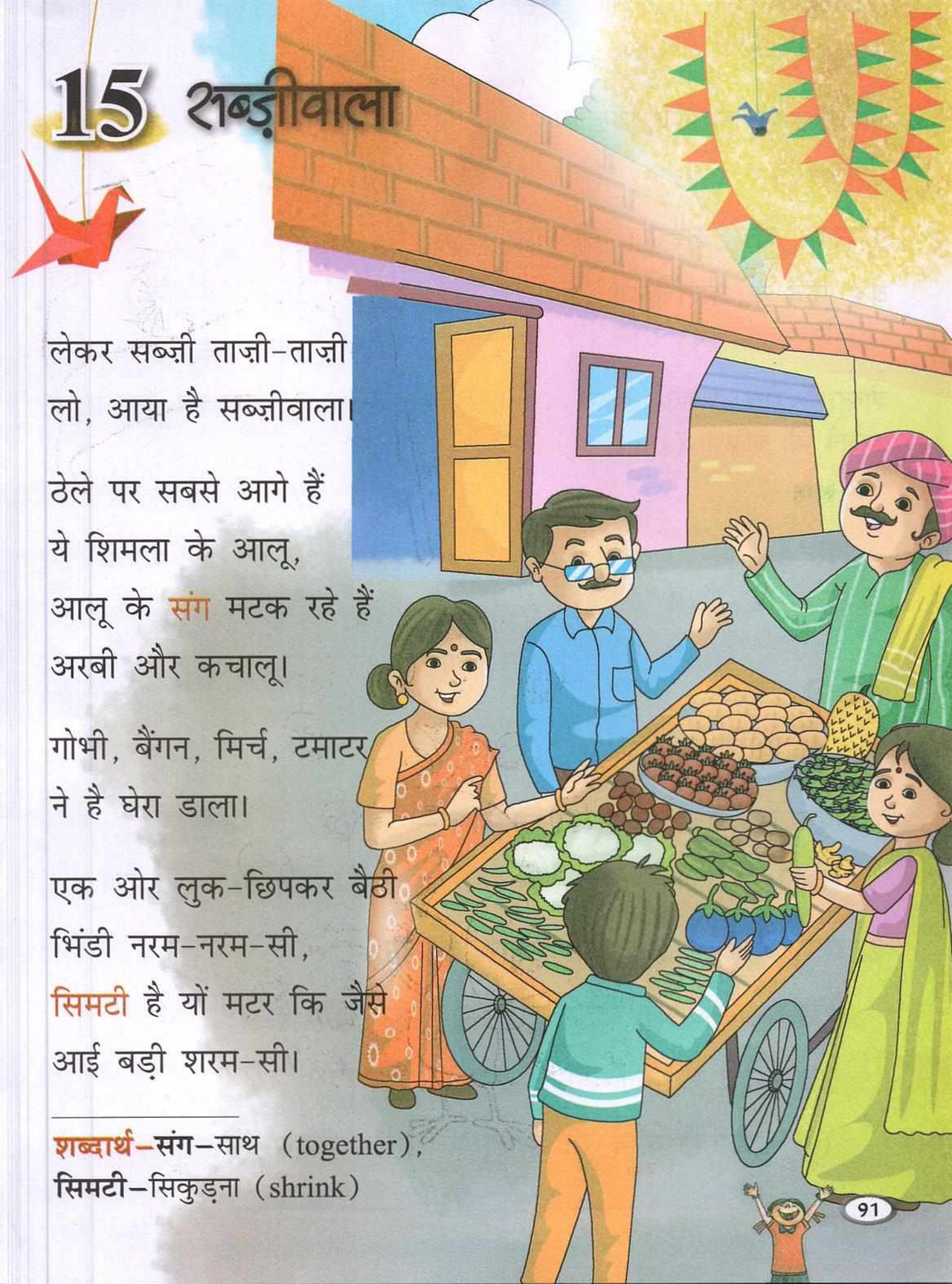

लेकर सब्ज़ी ताज़ी-ताज़ी
लो, आया है सब्ज़ीवाला।

ठेले पर सबसे आगे हैं
ये शिमला के आलू,
आलू के संग मटक रहे हैं
अरबी और कचालू।

गोभी, बैंगन, मिर्च, टमाटर
ने है घेरा डाला।

एक ओर लुक-छिपकर बैठी
भिंडी नरम-नरम-सी,
सिमटी है यों मटर कि जैसे
आई बड़ी शरम-सी।

शब्दार्थ–**संग**–साथ (together),
सिमटी–सिकुड़ना (shrink)

अलग सभी से रोब दिखाता
जमकर बैठा कटहल,
अदरक, नींबू, लहसुन की भी
बड़े मज़े की हलचल।

शब्दार्थ–**रोब**–प्रभाव जमाना (impact impression), **हलचल**–हिलने या डोलने की प्रक्रिया (stir)

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

सब्ज़ी ताज़ी-ताज़ी संग भिंडी शरम रोब

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर बताइए–

(क) सब्ज़ीवाला कैसी सब्ज़ियाँ लेकर आया है?

(ख) ठेले में कौन-कौन-सी सब्ज़ियाँ हैं?

(ग) आपको कौन-सी सब्ज़ी सबसे ज़्यादा पसंद है?

लिखित

1. नीचे दिए गए शब्दों के आधार पर रिक्त स्थान भरिए–

ताज़ी-ताज़ी	हलचल	मटक	नरम-नरम

(क) लेकर सब्ज़ी ..... लो आया है सब्ज़ीवाला।

(ख) आलू के संग ..... रहे हैं अरबी और कचालू।

(ग) एक ओर लुक-छिपकर बैठी भिंडी ..... -सी।

(घ) अदरक, नींबू, लहसुन की भी बड़े मज़े की ..... ।

2. निम्नलिखित में सही (✓) और गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) आलू सब्ज़ियों का राजा है।

(ख) भेलपूरी में प्याज़ को डाला जाता है।

(ग) मिर्च स्वाद में मीठी होती है।

(घ) कद्दू के सिर पर मुकुट होता है।

(ङ) बैंगन सब्ज़ियों का राजा है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) ठेले पर सबसे आगे कौन-सी सब्ज़ी है और कहाँ की है?

(ख) लुक-छिपकर कौन-सी सब्ज़ी बैठी हुई है?

(ग) बड़े मज़े की हलचल किन सब्ज़ियों की है?

(घ) मटर ठेले में किस तरह बैठी हुई है?

(ङ) कौन-सी सब्ज़ी काटते वक्त हमारे आँसू निकलते हैं?

भाषा ज्ञान

1. आइए जानें–

मिर्च	–	तीखी	आम	–	मीठा/खट्टा
करेला	–	कड़ुवा	अंगूर	–	खट्टे-मीठे
इमली	–	खट्टी	तरबूज़	–	मीठा

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- सब्ज़ियों का राजा किसे होना चाहिए? बताइए।

क्रियाकलाप

1. कक्षा के छात्र अपनी पसंदीदा सब्ज़ियों और फलों पर चर्चा करें। छात्र यह बताएँ कि उन्हें उनके फल या सब्ज़ियाँ स्वाद के कारण पसंद हैं या उनके गुण के कारण?

2. नीचे दिए गए फल और सब्ज़ियों की एक-एक विशेषता लिखिए–

लौकी – .....

पालक – .....

अनार – .....

आँवला – .....

16 बरगद और हाथी

तालाब के किनारे एक पुराना बरगद का पेड़ था। वह जंगल के सभी पशु-पक्षियों की मदद करता था। एक बार दूसरे जंगल से एक घमंडी हाथी आया। उसे पेड़ की तारीफ़ सुनकर अच्छा नहीं लगा।

उसने पेड़ के पास जाकर कहा, "अरे, बूढ़े पेड़। तुम खड़े-खड़े सबकी मदद कैसे करते हो? मैं भी देखूँगा। उसने पेड़ की पत्तियाँ तोड़कर खाईं। टहनियों और डालियों को तोड़ डाला।

पेड़ ने कहा, "देखो भाई! तुम्हें जितनी पत्तियाँ खानी हैं खा लो पर टहनियों और डालियों को मत तोड़ो। इस पर रहने वाले पशु-पक्षी गिर जाएँगे।" हाथी नहीं माना।

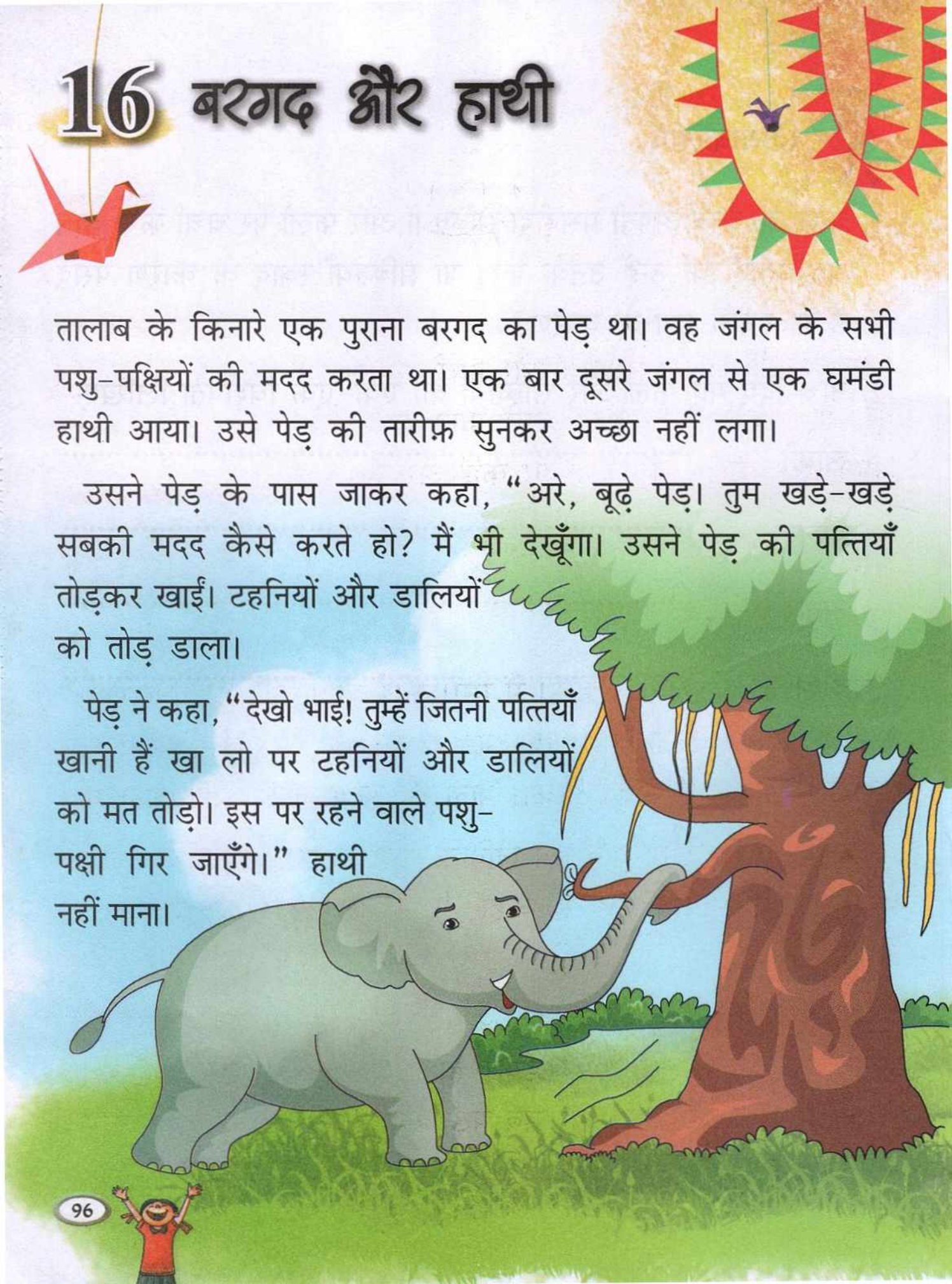

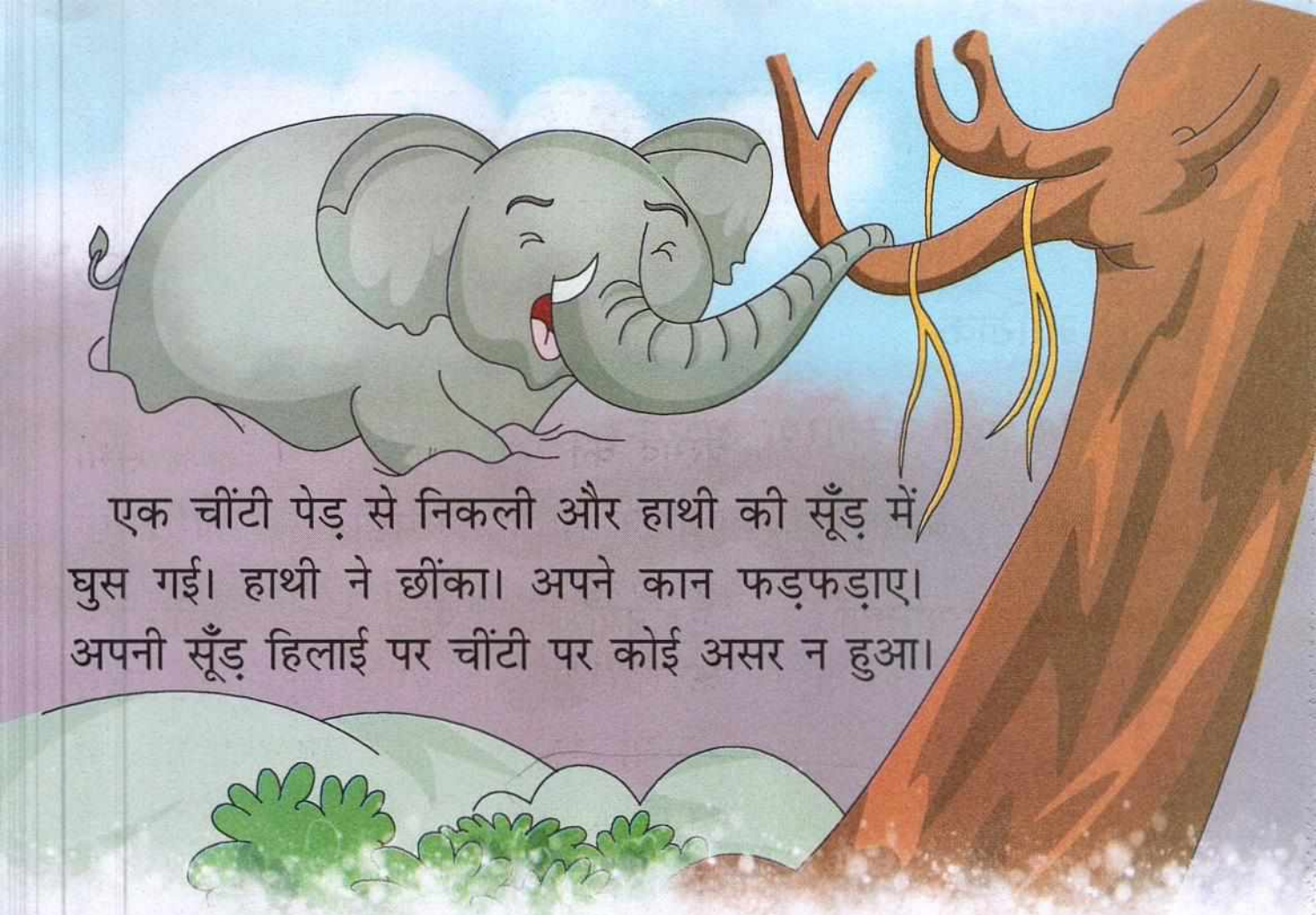

एक चींटी पेड़ से निकली और हाथी की सूँड़ में घुस गई। हाथी ने छींका। अपने कान फड़फड़ाए। अपनी सूँड़ हिलाई पर चींटी पर कोई असर न हुआ।

वह दर्द से चिल्लाया, "हाय! मैं मरा। कोई चींटी को बाहर निकालो।" उसे तालाब के पानी की याद आई। उसने सूँड़ में पानी भरा। पानी को ज़ोर से सूँड़ से बाहर फेंका। पानी के साथ चींटी भी निकल गई।

तालाब के ऊपर तो पानी था लेकिन नीचे दलदल थी। हाथी दलदल में फँस गया। उसने पेड़ से कहा, "पेड़ दादा हमें इस दलदल से निकालिए।"

पेड़ ने हाथी को मुसीबत में देखा तो अपनी सबसे बड़ी डाल नीचे झुका दी। उस डाल को पकड़कर हाथी दलदल से बाहर आ गया। हाथी को समझ आ गया कि सब पेड़ की तारीफ़ क्यों करते हैं। उसने पेड़ से माफ़ी माँगी और चला गया।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

तालाब	बरगद	जंगल	घमंडी	तारीफ़
मदद	पत्तियाँ	टहनियाँ	सूँड़	मुसीबत

लिखित

1. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

दलदल	घमंडी	माफ़ी	पशु-पक्षियों

(क) पेड़ जंगल के सभी ..... की मदद करता था।

(ख) एक बार जंगल में एक ..... हाथी आया।

(ग) चींटी हाथी की ..... में घुस गई।

(घ) तालाब के नीचे ..... थी।

(ङ) हाथी ने पेड़ से ..... माँगी।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बरगद का पेड़ कहाँ था?

(ख) हाथी को किसकी तारीफ़ सुनना अच्छा नहीं लगा?

(ग) हाथी ने क्या तोड़ डाला?

(घ) हाथी की सूँड़ में कौन घुसा?

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

(क) जोड़कर लिखिए–

सुन + कर = सुनकर	जा + कर = जाकर
तोड़ + कर = तोड़कर	खा + कर = खाकर
भर + कर = भरकर	पकड़ + कर = पकड़कर

(ख) एक–अनेक

पत्ती – पत्तियाँ	टहनी – टहनियाँ
डाली – डालियाँ	चींटी – चींटियाँ

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. हाथी के खराब व्यवहार के बावजूद क्या बरगद को हाथी की मदद करनी चाहिए थी? बताइए।
2. यदि आप बरगद की जगह पर होते तो क्या करते? बताइए।

क्रियाकलाप

- बिंदुओं को जोड़कर चित्र पूरा कीजिए तथा रंग भरिए–

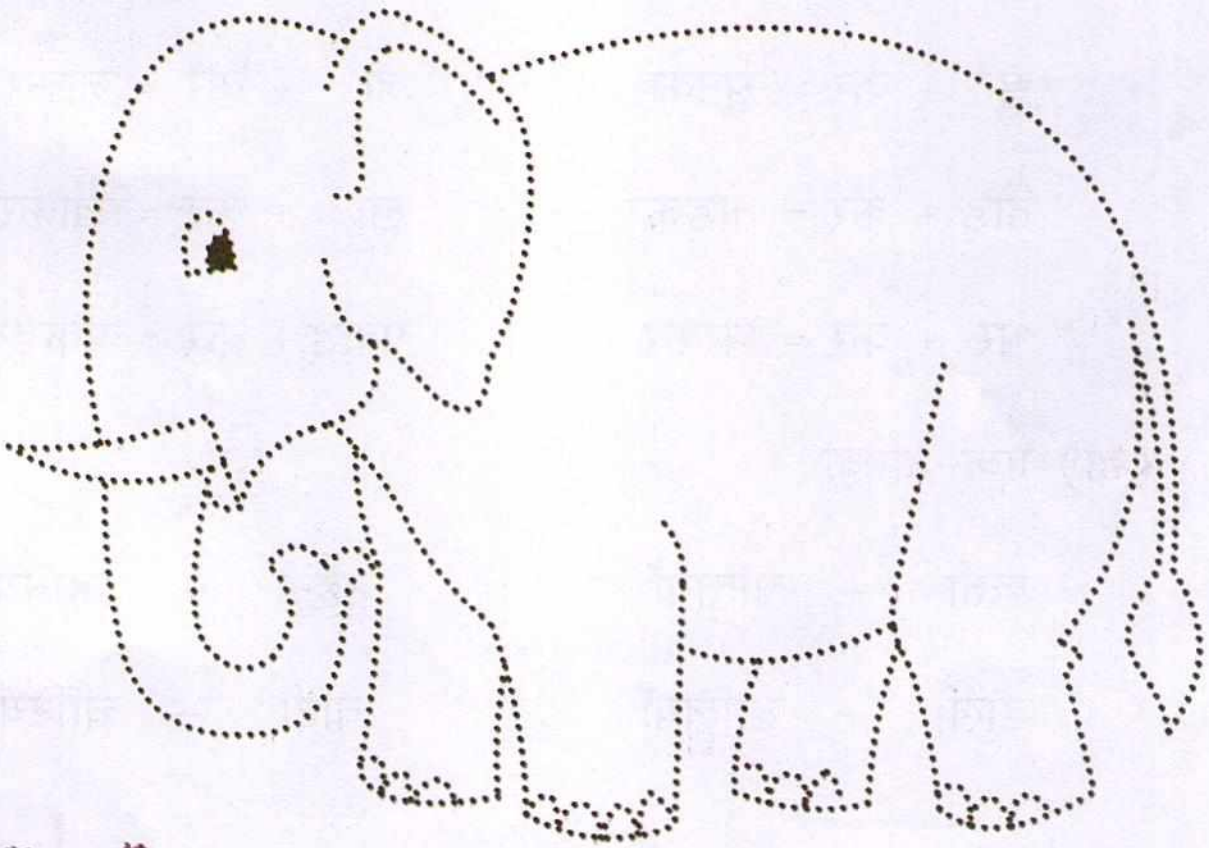

17 दीपावली

दीप + अवली अर्थात् दीपों की पंक्ति। दीपों की पंक्तियों का पर्व 'दीपावली' कहलाता है। दीपावली पर्व कार्तिक मास में मनाया जाता है। भारत में यह पर्व हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

दीपावली का पर्व बच्चों का प्रिय पर्व है। इस पर्व पर नए कपड़े, पटाखे और मिठाइयों की खूब धूम होती है। दीपावली पर घर और बाज़ार सजाए जाते हैं। घर के आँगन में रंगवल्ली के साथ दीप जगमगा उठते हैं।

शब्दार्थ–**अवली**–पंक्ति (line), **धूम**–ज़ोरों पर (grand), **रंगवल्ली**–मांडण, रंगोली (rangoli)

बच्चे इस पर्व का खूब मज़ा उठाते हैं। फुलझड़ियाँ, आतिशबाज़ी खूब चलती हैं। मिठाइयाँ, मेवे, नमकीन का आदान-प्रदान होता है। दीपावली के शुभ पर्व पर लक्ष्मी-पूजन होता है।

आजकल पर्यावरण प्रदूषण की समस्या है। इस कारण पाठशाला में 'प्रदूषण रहित' दीपावली मनाने का तरीका बताया जाता है, जिसमें बच्चे पटाखों के बजाय सिर्फ़ मिठाइयाँ बाँटकर और दीप जलाकर नए तरीके से दीपावली मनाते हैं। बच्चों का दीपावली मनाने का यह तरीका खूब प्रशंसनीय है। दीपावली मित्रता, स्वच्छता और सुख-समृद्धि का पर्व है।

शब्दार्थ–**प्रशंसनीय**–सराहनीय (appreciable)

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

हर्ष	उल्लास	पर्यावरण	प्रदूषण
कार्तिक	रंगवल्ली	स्वच्छता	सुख-समृद्धि

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर बताइए–

(क) दीपों की पंक्तियों का पर्व क्या कहलाता है?

(ख) दीपावली के शुभ अवसर पर किसका पूजन होता है?

(ग) आजकल किसकी समस्या है?

(घ) पाठशाला में क्या बताया जाता है?

लिखित

1. रिक्त स्थान भरिए–

(क) भारतवर्ष में दीपावली पर्व ..... के साथ मनाया जाता है।

(ख) घर के आँगन में ..... के साथ ..... जगमगा उठते हैं।

(ग) दीपावली पर्व पर ..... का पूजन होता है।

(घ) दीपावली मित्रता, स्वच्छता और ..... का पर्व है।

2. दिए गए शब्दों से छोटे-छोटे वाक्य बनाकर लिखिए–

मेवे	नए	सोना	सुख	नमकीन	चाँदी

(क) .....सोना पीला होता है। .....

(ख) .....

(ग) .....

(घ) .....

(ङ) .....

(च) .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) दीपावली का पर्व कब मनाया जाता है?

(ख) दीपावली पर्व पर किनकी धूम होती है?

(ग) दीपावली पर्व पर किन वस्तुओं का आदान-प्रदान होता है?

(घ) आजकल बच्चे किस प्रकार की दीपावली मनाते हैं?

भाषा ज्ञान

1. पर्वत, देश, महीनों, ग्रहों के नाम प्रायः पुल्लिंग होते हैं; जैसे–हिमालय, नीलगिरी, भारत, चीन, चैत्र, वैशाख, सूर्य, मंगल।

   नक्षत्र, नदियाँ, भाषा, आहारों के नाम प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं; जैसे–अश्विनी, भरणी, गंगा, कावेरी, संस्कृत, कन्नड़, इलायची, मिर्च।

निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर अलग-अलग लिखिए–

भारत	माता	बंदर	तमिल	भाभी
शेरनी	यमुना	कृतिका	रूस	बुध	जेठ

पुल्लिंग – .....

.....

स्त्रीलिंग – .....

.....

2. फूल और पत्तियों में से 'एक' तथा 'अनेक' शब्द छाँटकर लिखिए–

एक	अनेक
चूहा	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- कल्पना कीजिए कि आपके आस-पास आपकी उम्र के कुछ ऐसे बच्चे हैं, जो दीपावली में नए कपड़े नहीं पहन पाते हैं, मिठाइयाँ नहीं खा पाते हैं। आप ऐसे बच्चों के लिए दीपावली के अवसर पर क्या करेंगे?

क्रियाकलाप

- यहाँ दिए गए चित्र की तरह आप भी दीपावली की शुभकामना देने के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाइए।

- अपने प्रिय त्योहार पर कुछ पंक्तियाँ लिखकर उसे सचित्र दर्शाइए।

पढ़िए और समझिए–

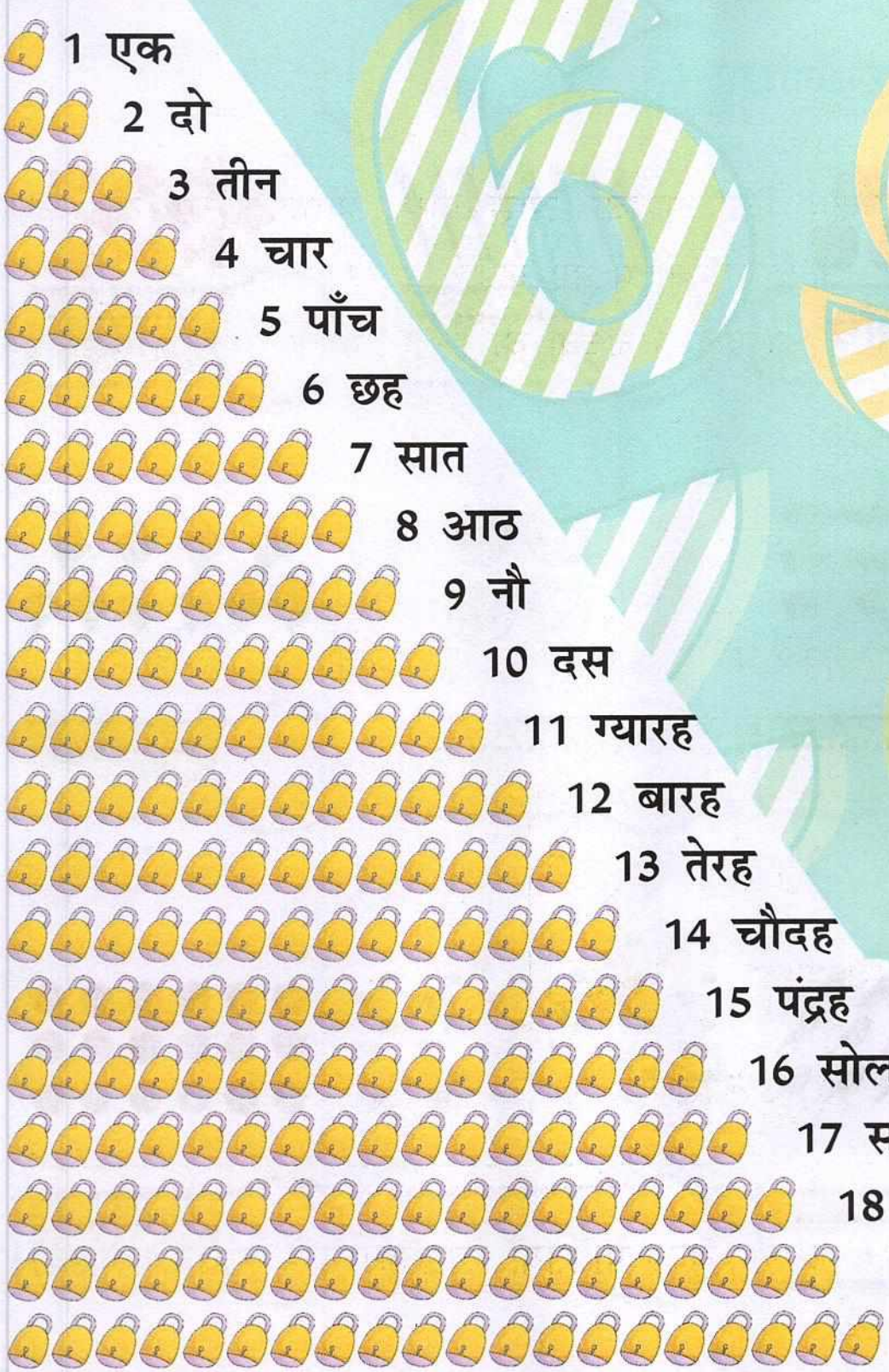
1 एक
2 दो
3 तीन
4 चार
5 पाँच
6 छह
7 सात
8 आठ
9 नौ
10 दस
11 ग्यारह
12 बारह
13 तेरह
14 चौदह
15 पंद्रह
16 सोलह
17 सत्रह
18 अठारह
19 उन्नीस
20 बीस

अभ्यास के लिए

1. गिनिए और लिखिए–

5 पाँच

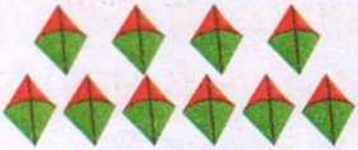

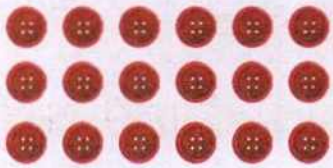

यह भी जानिए

छः ऋतुएँ

वसंत ऋतु जब आती है
धरती फूल भरी हो जाती है।

ग्रीष्म ऋतु जब आती है
धरती प्यासी हो जाती है।

वर्षा ऋतु के आने पर
नदी नाले भर जाते हैं।

हेमंत ऋतु जब आती है
भीनी-भीनी खुशबू लाती है।

शरद ऋतु के स्वागत में
मन हिंडोले भरने लगता है।

शिशिर ऋतु जब आती है
पत्तों को छू मंतर कर जाती है।

अध्यापन संकेत

- वर्ग में सस्वर गायन कर ऋतुओं का परिचय कराइए।

सप्ताह के सात दिन

सोमवार मंगलवार बुधवार गुरुवार शुक्रवार शनिवार रविवार

रविवार का दिन था,
बिस्तर पर लेटने का मन था।
सोमवार का दिन था,
बस्ता लेकर स्कूल जाने का मन था।
मंगलवार का दिन था,
बहुत सारा गणित करना था।

बुधवार का दिन था,
विज्ञान और समाज शास्त्र पढ़ना था।
गुरुवार का दिन था,
बस परियोजना कार्य करना था।
शुक्रवार का दिन अच्छा था,
सिर्फ़ खेलना और गाना था।

शनिवार को पाठशाला से आया,
पानी-पूरी, भेल-पूरी खाने में मज़ा आया।

फिर एक बार... रविवार आया
रज़ाई ओढ़कर दुबककर सोया।

वर्ष के बारह महीने

जनवरी, फरवरी का महीना आया
ढेर सारा धान लाया।

मार्च और अप्रैल का महीना आया
ढेर सारे खरबूज और तरबूज़ लाया।

मई, जून का महीना आया
रसीला आम सबको भाया।

जुलाई, अगस्त का महीना आया
बारिश में भीगना बच्चों को भाया।

सितंबर, अक्टूबर का महीना आया
साथ में त्योहारों की धूम लाया।

नवंबर, दिसबंर का महीना आया
शांतिदूत सांता ढेर सारे खिलोने लाया।

जनवरी	31 दिन
फरवरी	28 दिन
मार्च	31 दिन
अप्रैल	30 दिन

मई	31 दिन
जून	30 दिन
जुलाई	31 दिन
अगस्त	31 दिन

सितंबर	30 दिन
अक्टूबर	31 दिन
नवंबर	30 दिन
दिसंबर	31 दिन

अध्यापन संकेत

- वर्ग में सस्वर गायन कर महीनों की पहचान कराइए।

बूझो तो जानें

1. लाल वरदी पहन मैं आऊँ,
   स्टेशन पर सामान उठाऊँ।
   .....

2. कील, हथौड़ा मेरे साथ,
   मेज़, कुरसी बनी मेरे हाथ।
   .....

3. प्यार से सिखाऊँ तुम्हें अपनी बात,
   चॉक ने हरदम दिया मेरा साथ
   .....

4. बीज मैं बोकर करूँ देखभाल,
   पौधों की देखरेख करूँ दिन-रात।
   .....

5. हाथ में लाठी, मुँह में सीटी,
   टॉर्च जलाए रात मेरी बीती।
   .....

परियोजना पन्ना 1

पत्र लेखन

अध्यापन संकेत

- बच्चों से चिट्ठी/पत्र पर चर्चा करें, घर पर आने वाली चिट्ठी का अवलोकन करने को कहें।
- बच्चों को पत्र का परिचय दें तथा लिफ़ाफ़े पर पता लिखने के लिए कहें। बच्चों को 'डाक-टिकट' चिपकाने के लिए कहिए।

2 परियोजना पन्ना

ध्वनियाँ

तारों का ....

चूड़ियों का ....

पायल का ....

ढोल का ....

घंटी का ....

बिजली का ....

हरकत-बरकत

तरह-तरह की सूखी पत्तियों को जोड़कर, मनपसंद जानवर और आकृतियाँ बनाइए–

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

- विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे–जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझ करना, अपना तर्क देना आदि।
- कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/सुनाते हैं।
- देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं ओर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
- अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनाई जा रही सामग्री, जैसे–कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।
- भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ालेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं, जैसे–एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने...।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।
- अपने स्तर और पसंद के अनुसारा कहानी, कविता, चित्र, पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं।
- चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।
- चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।
- परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे–चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।
- प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे–'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं? 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन-कौन से अक्षर हैं?
- हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
- स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काँटे), अक्षर-आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व-वर्तनी का उपयोग और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं।
- अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं।